दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:22 ए एम
सूर्यास्तः 06:34 पी एम
तिथिः द्वितीया - 06:20 पी एम तक
नक्षत्रः रेवती - 02:08 पी एम तक
योगः इन्द्र - 03:43 ए एम, मार्च 24 तक
करणः बालव - 07:16 ए एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 06:20 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः रविवार

हिन्दी दैनिक

# झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 86 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 26 मार्च 2023 • मूल्य 2 रुपये | Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

# 'सबका प्रयास' से भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह परः पीएम नरेन्द्र मोदी

**बेंगलुरु/एजेंसी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राज्य के बेंगलुरु और चिक्काबल्लापुर जिलों में विभिन्न उद्घाटन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार को कर्नाटक पहुंचे। पीएम मोदी ने शनिवार को सबसे पहले जिले के मुद्देनहल्ली में दूरदर्शी, सिविल इंजीनियर, प्रशासक और राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को उनके जन्म स्थान पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पीएम ने चिक्कबल्लापुर जिले में मुद्देनहल्ली के सत्य साई ग्राम में निशुल्क सेवाओं के लिए स्थापित 'श्री मधुसूदन साई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च' और 'श्री सत्य साई राजेश्वरी मेमोरियल ब्लॉक' का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने शनिवार कहा कि भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है और यह 'सबका प्रयास' के माध्यम से संभव है।

## उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ परिवार को दी बड़ी खुशखबरी

**नई दिल्ली/एजेंसी।**

केंद्र की मोदी सरकार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है. केंद्र सरकार ने पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 200 रुपये प्रति एलपीजी सिलेंडर सब्सिडी लाभ मिलने की समयसीमा एक साल के लिये बढ़ा दी. अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम में वृद्धि के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है. पीएम मोदी की इस पहल से 9.6 करोड़ परिवार को लाभ होगा. पीएम ने कहा कि यह कदम हमारे लाखों किसान भाई-बहनों को और सशक्त बनाएगा.

इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यानी शनिवार को कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली सब्सिडी की अवधि बढ़ाए जाने से लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी और खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन की दिशा में कदम आगे बढ़ेंगे. पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से संबंधित कैबिनेट के फैसले से लाभार्थियों को काफी मदद मिलेगी और खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन की दिशा में कदम आगे बढ़ेंगे.''

प्रधानमंत्री ने कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे किसान और सशक्त होंगे. सरकार ने शुक्रवार को 2023-24 सत्र के लिए कच्चे जूट के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 300 रुपये बढ़ाकर 5,050 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया.

**● भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सकबी भागीदारी**

पीएम ने कहा, ये राजनीतिक दल नहीं चाहते कि गांवों, गरीब और पिछड़े वर्ग के लोगों के बेटे और बेटियां डॉक्टर या इंजीनियर बनें, जबकि गरीबों के कल्याण के लिए काम करने वाली हमारी सरकार ने कन्नड़ समेत भारतीय भाषाओं में मेडिकल शिक्षा का विकल्प दिया है।'' कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के सुधाकर और मधुसूदन साई इस मौके पर मौजूद थे। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि भाजपा सरकार भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हर किसी की भागीदारी पर जोर दे रही है। पीएम ने कहा कि हमारे प्रयास भारत के स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं। हमने गरीब और मध्यम वर्ग के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी है।

## संक्षिप्त समाचार

### झारखंडः शिक्षक नियुक्ति पर फिर लगी रोक

**रांची/एजेंसी।** राज्य में होने वाली शिक्षक नियुक्ति पर एक बार फिर रोक लग गयी है। ऐसा जिलावार आरक्षण रोस्टर क्लियर नहीं होने की वजह से हुआ है। ये नियुक्तियां राज्य के 80 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, 325 प्रखंड स्तरीय मॉडल स्कूल और 28 बालिका आवासीय विद्यालय में होनी थी। अब इन स्कूलों में नियुक्ति का विज्ञापन फिर से निकाला जाएगा। वहीं इन नियुक्तियों के लिए जिला वार आरक्षण रोस्टर क्लियर करने के लिए सभी जिलों को झारखंड शिक्षा परियोजना निर्देश भेजने वाला है। दरअसल जब इन स्कूलों में नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया गया था तब राज्य सरकार ने आरक्षण की नितियां क्लियर नहीं की थी। इस बीच इन स्कूलों में जिलावार नियुक्ति का विज्ञापन जारी कर दिया गया। बीते एक हफ्ते पहले राज्य सरकार ने जिलावार आरक्षण रोस्टर क्लियर कर दिया। पूर्व में जिलवार नियुक्ति में ईडब्ल्यूएस कोटे का जिक्र नहीं था, पर नए आरक्षण रोस्टर में इडब्ल्यूएस आरक्षण को जोड़ दिया गया। इसी वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए, फिर से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

## बिजनेस

**बीएसई सेंसेक्स**

58,214.59+139.91 (0.24%)

**निफ्टी**

17,151.90+44.40 (0.26%)

**राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता जाने के बाद कहा**

## 'मेरा नाम सावरकर नहीं, गांधी है, गांधी किसी से माफी नहीं मांगता'

**नयी दिल्ली/एजेंसी।**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद शनिवार को कहा कि वह लोकतंत्र की लड़ाई लड़ रहे हैं और डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी अडाणी समूह से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने के लिए उन पर ओबीसी समुदाय के अपमान का आरोप लगा रही है। राहुल गांधी ने कहा, ₹असली सवाल यह है कि अदाणी समूह में 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, वो पैसा किसका है ?₹ उन्होंने दावा किया कि उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराया गया क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इससे डरे हुए थे कि वह फिर से सदन में अडाणी मामले पर बोलेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, ₹अदाणी जी की शेल कंपनी हैं, उनमें 20 हजार करोड़ रुपया किसी ने निवेश किया है, ये पैसे किसके हैं? यह सवाल मैंने पूछा। मोदी जी और अडाणी जी के रिश्ते के बारे में पूछा। मेरी बातों को सदन की कार्यवाही से हटाया गया।

राहुल ने ओबीसी समुदाय के अपमान करने के भाजपा के आरोप पर कहा कि मैंने हमेशा भाईचारे की बात की है, यह (मोदी सरनेम पर टिप्पणी मामला) ओबीसी के बारे में नहीं है। अयोग्य ठहराने, मंत्रियों द्वारा आरोप लगाने का पूरा खेल अदाणी मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए खेला गया। अगर वे मुझे स्थायी रूप से भी अयोग्य करार दे देते हैं तब भी मैं अपना काम करता रहूंगा। मैं यहां भारत के लोगों की लोकतांत्रिक आवाज की रक्षा करने के लिए हूं। ऐसा करता रहूंगा, मैं किसी से नहीं डरता।

राहुल गांधी ने कहा, मेरे बारे में मंत्रियों ने झूठ बोला, जबकि मैंने कोई ऐसी बात नहीं की थी जिसका दावा किया गया था। मैंने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि मुझे जवाब देने का मौका मिले। मैं स्पीकर के चैंबर में गया। मैंने कहा कि यह कानून है, नियम है। इन लोगों ने झूठा आरोप लगाया है।

आप मुझे बोलने क्यों नहीं दे रहे? स्पीकर साहब मुस्कुराए और उन्होंने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।''

राहुल ने कहा, ''मुझे अयोग्य ठहराया गया, क्योंकि प्रधानमंत्री मेरे अगले भाषण से डरे हुए थे जो अदाणी पर होने वाला था। मैंने उनकी आखों में यह डर देखा है।'' उन्होंने कहा कि मुझे सदस्यता मिले या नहीं मिले। मुझे स्थायी रूप से अयोग्य ठहरा दें, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि संसद के अदंर रहूं या नहीं रहूं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का कहना था।

# उपायुक्त ने की जिला समन्वय समिति की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** परिसदन दुमका में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में उपायुक्त ने निदेश दिया कि दिव्यांगजनों के लिए कैम्प का आयोजन कर प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।जानकारी दी गयी कि सर्वजन पेंशन योजना के तहत वर्तमान में 1,16,223 लाभुकों को लाभ दिया जा रहा है।उपायुक्त ने निदेश दिया कि योग्य लाभुकों को चिन्हित करते हुए सर्वजन पेंशन योजना से आच्छादित करने का कार्य किया जाय।सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना हेतु 29600 लाभुकों को योजना से आच्छादित करने का लक्ष्य प्राप्त है।प्राप्त लक्ष्य के आलोक में 29675 आवेदन स्वीकृत किये गए हैं एवं 29606 लाभुकों के खाते में राशि हस्तांतरित कर दिया गया है।

पशुधन विकास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने निदेश दिया कि सभी स्वीकृत आवेदनों की राशि जल्द से जल्द लाभुक के खाते में हस्तांतरित करना सुनिश्चित करें।बैठक में जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने निदेश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्र में योजना के तहत पेयजलापूर्ति सुनिश्चित करें साथ जल जीवन मिशन के सर्टिफिकेशन का कार्य मिशन मोड में पूरा करें।

बैठक में झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना,मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना,अमृत सरोवर योजना,किसान क्रेडिट कार्ड,निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के नियोजन,मनरेगा,प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण,मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना,प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति आदि की समीक्षा की एवं प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निदेश दिया।

# सीएम के दौरे को लेकर पार्टी ने की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका ।** खतियानी जोहार यात्रा पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पांच अप्रैल को जामताड़ा और दुमका में होंगे। सीएम दुमका के आउटडोर स्टेडियम में 6 अप्रैल को एक सभा को संबोधित करेंगे। सीएम के खतियानी जोहार यात्रा को लेकर पार्टी तैयारियों में जुट गई है। शनिवार को झामुमो के खिजुरिया स्थित कार्यालय में जिला संयोजक मंडली की हुई बैठक में जोहार यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। पार्टी विधायक बसंत सोरेन की अध्यक्षता में संयोजक मंडली की हुई बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा के साथ सदस्यता अभियान की समीक्षा भी की गई। विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि बैठक में सरकार के जन कल्याणकारी कार्यक्रम एवं योजनाओं के साथ ही जोहार यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की गई। सीएम के जोहार यात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओ को कई दिशा निर्देश दिया गया है। जानकारी के मुताबिक सीएम के खतियानी जोहार यात्रा जामताड़ा से शुरू होगी। दुमका पहुँचने पर कार्यकर्ताओं द्वारा जगह जगह पर भव्य स्वागत किया जाएगा। दुमका में छह अप्रैल को सीएम पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य सचिव के साथ तमाम आलाधिकारियों के साथ एक बैठक कर समीक्षा करेंगे। फिर आउटडोर स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करेंगे। बैठक में शिव कुमार बास्की, विवेकानंद राउत, असीम मंडल, अशोक चौधरी, अब्दुस सलाम अंसारी, आलोक सोरेन, निशित वरण गोलदार सहित संयोजक मंडली के अन्य सदस्य, केंद्रीय कमेटी सदस्य, सभी प्रखंड अध्यक्ष उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### अनियंत्रित होकर हाईवा से टकराई कार, चार आंशिक रूप से घायल

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** गोपीकांदर थाना क्षेत्र के दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर गुम्मामोड़ निसार होटल के समीप शनिवार को एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी हाईवा से टकरा गई।

घटना में कार पर सवार चार लोग आंशिक रूप से घायल बताए जा रहे है।कार कठोरिया बिहार के राजकिशोर प्रसाद उर्फ पप्पू यादव की बतायी जा रही है।सभी देवघर से साहेबगंज जा रहे थे । साहेबगंज जाने के दौरान गुम्मामोड़ के निसार होटल के पास नियंत्रण खोकर कार ने सड़क किनारे खड़ी खाली हाईवा को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें कार की आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। बता दें कि कोयला हाईवा चलने से दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ गई। प्रायः इस रोड पर सड़क दुर्घटना होती रहती है जिसमें बेकसूर आम लोगों को सड़क दुर्घटना में अपनी जान से हाथ धोना पड़ता हैं। प्रायः यह भी देखा गया है कि कोयला हाईवा ड्राईवर अपने मन मुताबिक हाईवा को होटलों या सड़क किनारे जैसे मन तैसे खड़ा कर देते है जिस कारण अन्य गाड़ियों को पार होने में काफी समस्याएं होती हैं और इस तरह से दुर्घटनाएं घटित होती हैं।

### महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड एवं सैनिटाइजर का वितरण

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** आदित्य नारायण महाविद्यालय, दुमका के राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई- 1 एवं इकाई- 3 के द्वारा आयोजित ₹सात दिवसीय विशेष शिविर₹ के पांचवे दिन

शनिवार को कार्यक्रम पदाधिकारी यूनिट-1 के डॉक्टर चम्पक लता कुमारी एवं यूनिट- 3 के प्रोफेसर राजीव रंजन सिंह के नेतृत्व में चयनित ग्राम- हथियापाथर के पूर्वी टोला एवं पश्चिमी टोला में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं के साथ ग्रामीण महिलाओं एवं स्कूली छात्राओं के बीच ₹स्वस्थ एवं स्वच्छ₹ रहने के लिए प्रकाश डालते हुए महिलाओं के बीच ₹सेनेटरी पैड₹ एवं ₹सैनिटाइजर₹ का वितरण करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम पदाधिकारीयों ने पैड के बदले अन्य कपड़ों के उपयोग करने से होने वाली बीमारियों के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्वयंसेवक एवं सेविकाओं में :-शिवम, नेपाल, गौरव , निलेश, अक्षय , देवेश , अंकित, महक, लक्ष्मी , पलक , आनंद , नीरज एवं हरीश उपस्थित थे।

### पुलिस ने लम्बे समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा के निर्देशानुसार समकालीन अभियान के तहत हंसडीहा थाना कांड संख्या 20/21 दिनांक 26/02/2021, धारा 302/201/34 के प्राथमिक अभियुक्त सोम सोरेन,उम्र 25वर्ष, पिता स्व शीतल सोरेन,ग्राम ओड़तारा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।बताते चलें कि उक्त आरोपी गिरफ्तारी के डर से लंबे समय से भागा फिर रहा था। शनिवार को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।ज्ञात हो कि उक्त आरोपी सोम सोरेन पर अपने ही मौसा की हत्या का आरोप है।

# सांसद ने फीता काट कर किया स्वास्थ्य मेला का विधिवत उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारापलासी हटिया परिसर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बारापलासी में शनिवार को एक दिवसीय स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन सांसद सुनील सोरेन एवं सिविल सर्जन बच्चा प्रसाद सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी सह चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शशिधर मिश्र एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव की मौजूदगी में किया।कार्यक्रम का शुभारंभ करने के पश्चात सांसद , सिविल सर्जन एवं अन्य अधिकारियों ने सभी स्टांलो का निरीक्षण किया और जांच में भाग लेने आये मरीजो से संवाद स्थापित किया ।इस मौके पर सांसद ने कहा कि स्वास्थ्य ही जीवन है।हरेक लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना चाहिये।बराबर चेकअप कराना चाहिए। सिविल सर्जन ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए अपने खानपान पर ध्यान देना जरूरी है और और लोगों को किसी भी प्रकार के बीमारी का लक्षण का पता चलते ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा जिला एवं ब्लॉक के अस्पताल में जाकर जांच अवशय कराएं। स्वास्थ्य मेला का उद्देशय आम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सहायता प्रदान करना है। स्वास्थ्य मेला में चिकित्सकों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों द्वारा पहुँचे रोगियों एवं मरीजों को चिन्हित कर जांच किया गया और आवशयक सलाह दिया गया और टीम द्वारा चिकित्सा किया गया और दवा आदि दी गई।।मेला स्थल पर शिविर में आये कई तरह के रोगियों की जांच की गई जिसमें स्केंनिग बीपी,सुगर , का कुल 134 रोगियों की जांच हुआ आंख का 80, फेमिली प्लानिंग 114, ग्राभवतीमहिला -10 हेल्थ चेकअप महिला-125, और पुरुष 230 . लैब टेस्ट- 80 टीबी- 85 लोगों का शिविर में जांच हुआ। जिसमे कुल1062 रोगियों की जांच की गई।इस मौके पर जिला अस्पताल से आये चिकित्सक की टीम एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनियुक्त कर्मी मौजूद रहे।

# रामनवमी पर्व को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका ।** जामा थाना परिसर में शनिवार को रामनवमी पर्व को लेकर बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव, पुलिस निरीक्षक देवदत्त पोद्दार और अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल, थाना प्रभारी जितेंद्र साहू के संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कई समिति के सदस्यों ने बताया कि शराब और डीजे पर पूर्ण पाबंदी लगाने की मांग की। बीडीओ ने समिति के सदस्यों को बताया कि संवेदनशील जगहों पर पुलिस की निगरानी रखी जाएगी जहाँ पहले कोई घटना हुई है वहा गश्ती दल नियुक्त किए जाएंगे। सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वाले पर नजर रखी जाय उनको चिन्हित किया जायेगा। समाज को जागरूक रहने की जरूरत है। पुलिस निरीक्षक ने बताया कि डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया है सोशल मीडिया के एडमिन अपने अपने वाट्सएप ग्रुप पर नजर बनाये रखेंगे। अन्यथा एडमिन पर भी कार्यवाही की जा सकती है। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी अपना अपना लाइंसेंस के लिए आवेदन जमा कर दें किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने से वैमनस्य ता बढ़ेगी।सोशल मीडिया में नजर रखी जाएगी।कोई भी बात पोस्ट करने से पहले तथ्यों की जांच कर लें। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की निगरानी रहेगी। । कोई भी अप्रिय घटना की सूचना मिले तो अविलंब थाना को सूचना दी जाय। पुलिस को सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा। धार्मिक स्थलों पर भी विशेष रूप से नजर बनाये रखने का अनुरोध थाना प्रभारी जितेंद्र साहू ने शांति समिति के सदस्यों से की। बैठक में बारी बारी से सभी सदस्यों से सुझाव भी लिये गये। एसआई रविशंकर सिंह , प्रेम कुमार साह, आनंदी राउत, कालेश्वर सोरेन, सत्तार खान,उमा यादव,सुभास मंडल, ,बिशु टुडु , इन्द्रकांत यादव, निरंजन दत्ता मुखिया उर्मिला टूटू, गोखुल सोरेन महादेव टुडु,राजू पुजहर,संतोष पुजहर सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रकांत मंडल, राखिसल मुर्मु, सुकदेव ठाकुर,इदरीश शेख , शिवेंद्र जायसवाल, सहित थाना परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

# लोक अदालत में 59 मामलों का निष्पादन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार,झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, दुमका के न्याय सदन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका की अध्यक्षता में लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 2 बेंचो का गठन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका विश्वनाथ भगत द्वारा बताया गया कि लोक अदालत में न्यायालय में लंबित वादों के अलावा दुमका जिला में स्थित विभिन्न विभागों के फौजदारी संबंधी मामलों का आपसी सुलह समझौता के आधार पर निपटारा किया गया जिसमें बेंच नंबर 1 से राकेश कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, द्वितीय, दुमका ओमियो कुमार मांजी, अधिवक्ता, दुमका एवं किंकर कुमार मिश्रा, अधिवक्ता द्वारा सुलह समझौते के आधार पर कुल 15 वादों का निष्पादन किया गया साथ ही साथ 45,57,561/- रुपए का समझौता किया गया। बेंच नंबर 2 से शैलेंद्र कुमार नापित, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, दुमका ,सुश्री नूपुर कुमारी, कार्यपालक दंडाधिकारी एवं धर्मवीर मिश्रा, अधिवक्ता दुमका के द्वारा सुलह समझौता के आधार पर कुल 44 वादों का निष्पादन किया गया साथ ही साथ रू 24,750/- का समझौता किया गया। इस तरह कुल 59 वादों का निष्पादन दो बेंचों के द्वारा किया और साथ ही साथ 45,82,311/- रुपये का समझौता किया गया।

# रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक

**झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका ।** मुफ्सील थाना परिसर में रामनवमी को लेकर शांति समिति की बैठक पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नुर मुस्तफा अंसारी के अध्यक्षता मे संपन्न हुआ जिसमें कई महत्वपूर्ण सुझाव पर निर्णय लिए गए डीजे मे भड़काऊ गाने पर

रोक के साथ ही साउंड मानक पर बजाने पर, साथ ही आग के खेल पर पुर्ण प्रतिबंधित,एवं सभी लाईसेंसी जुलुस निर्धरित रूट पर चलने पर कहा गया है। इस मौके पर थाना प्रभारी नितीश कुमार पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार, वृंदावन सरदार चेम्बर ऑफ कामॅस एण्ड इन्डस्ट्रीज के सचिव डॉ मनोज कुमार घोष, प्रदिप्तो मुखॅजी, रमण कुमार वमॉ, स्वामी आत्मा नंद पुरी, विजय मल्लाह, अजय दुबे,नगेन्द्र मंडल, सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

# संताली भाषा व लिपि का अपमान करने पर छात्र समन्वय समिति ने किया भाजपा विधायक सी पी सिंह का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** शनिवार को संताल परगना महाविद्यालय दुमका के समीप छात्र समन्वय समिति (सिदोझकान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय) दुमका के नेतृत्व में भाजपा नेता सी.पी सिंह का जोरदार विरोध करते हुए पुतला दहन किया गया। मौके पर छात्र नेता ने बताया कि विभिन्न समाचार पत्रों के प्रथम पृष्ठ में संथाली लिपि से छापने पर ही पी सिंह द्वारा संताली भाषा के लिए तुच्छ शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित करने का काम किया गया है जबकि झारखंड में संथाली भाषा को द्वितीय राजभाषा के रूप में 22 दिसंबर 2003 को संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्जा दिया गया है इस तरह से भाजपा विधायक ने षड्यंत्र के तहत संताली भाषा और लिपि के साथ साथ आदिवासी समाज को अपमानित एवं ठेस पहुंचाया है इसलिए झारखंडी संताल आदिवासी छात्रो ने भाजपा विधायक सी. पी सिंह का घोर विरोध करते हुए पुतला दहन किया।कहा कि इस तरह संताली भाषा एवं लिपि को अपमानित करने वाले आदिवासी विरोधी मानसिकता वाले विधायक को आदिवासी बहुल राज्य में रहने का कोई औचित्य अधिकार नहीं है। छात्र समन्वय समिति मांग करती है कि भाजपा विधायक सीपी सिंह देशभर के संताल आदिवासी समाज से माफी मांगे।माफी नहीं मांगते है तो विधायकी पद से स्वतः त्यागपत्र दे दे अन्यथा आदिवासी समाज झारखंड सरकार से विधायक पद से निरस्त कराने के लिए बृहद आंदोलन के लिए बाध्य हो जाएंगेअवसर पर श्याम देव हेंब्रम,राजीव बस्की,राजेंद्र मुर्मू, बाबूराम सोरेन,विवेक हांसदा, मुनिलाल हांसदा, भीमसेंट सोरेन , सकल हेंब्रम, सुबस्टिन हेंब्रम, फ्रांसिस सोरेन,वीरेंद्र किस्कु, संजय किस्कु, दिलीप हेंब्रम, बाबूधन टुडू, नथानियएल किस्कू,आदित्य हंसदा, आरनेसट हेंब्रम,सुशील हेंब्रम, सिमोन बास्की,बिरेंद्र मुर्मू,अर्जुन टुडू,अमर हांसदा,प्रदीप मुर्मू, सुभाष मुर्मू,राजीव हांसदा, विजय हांसदा,सुधीर हांसदा, जागेश्वर सोरेन आदि छात्र उपस्थित थे ।

हिंदी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

## संक्षिप्त समाचार

### 11 महिलाओं का किया गया बंध्याकरण

**पाकुडिया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में सरकार की महत्वाकांक्षी परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत महिलाओं का निःशुल्क बंध्याकरण ऑपरेशन चिकित्सक डॉ अभय कु यादव की अगुवाई में शनिवार को किया गया। इस दौरान प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवो से पहुंची कुल 11 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। इसके तुरंत बाद ही महिलाओं को सभी जरूरी दवा एवं अन्य सामग्री का भी मुफ्त बितरण किया गया। मौके पर ही सभी लाभार्थियों को उनके खाते में चौदह सौ रुपये और उत्प्रेरकों को तीन तीन सौ रुपया करके सभी के संबंधित खातों में हस्तांतरित किया गया। मौके पर डॉ गंगा शंकर साह, एएनएम मेरी बास्की सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। चिकित्सक डॉ यादव ने बताया कि यहां नियमित रूप से बंध्याकरण किया जाता है। डॉ यादव ने सभी जरूरतमंदों को इसका लाभ उठाने की अपील की है।

### पंचायत समिति सदस्य के साथ प्रमुख ने की बैठक

**पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** प्रखंड कार्यालय के सभागार में शनिवार को पंचायत समिति सदस्यों की बैठक का आयोजन प्रखंड प्रमुख कालिदास मरांडी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में बारी बारी से एक एक कर सभी विभागों की समीक्षा की गई। वहीं इस दौरान सभी पंचायत समिति सदस्यों के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में होने वाली पानी की समस्या को लेकर चर्चा की गई। बीडीओ मनोज कुमार ने सभी पंचायत समिति सदस्यों को अपने क्षेत्र में होनेवाली पानी की समस्या को अवगत कराने को कहा। मौके पर सांसद प्रतिनिधि खुर्शीद आलम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, उप प्रमुख अर्चना देवी, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी त्रिदीप कुमार शील, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी, कनीय अभियंता पेयजल और स्वच्छता विभाग, महिला पर्यवेक्षिका, बाल विकास परियोजना, चिकित्सा विभाग के कर्मी, कनीय अभियंता 15वे वित्त आयोग सहित पंचायत समिति सदस्य आदि उपस्थित थे।

### जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई

**पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** समाहरणालय में उपायुक्त पाकुड़ की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में श्री श्री 108 बजरंगबली अखाड़ा समिति, रेलवे कॉलोनी पाकुड़ के सदस्य के मुरारी मंडल हिसाबी राय सुशील साहा सोहन मंडल रुपेश राम अनिकेत गोस्वामी मधुसूदन साहा अक्षय चौरसिया ने भाग लिया।

### स्वयं सेवी संथान सर्व सेवा समिति ने निःशुल्क उपचार कर दवा का वितरण

**लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** स्वयं सेवी संथान सर्व सेवा समिति के द्वारा शनिवार को प्रखंड के बड़ा पोखरिया गांव में स्वास्थ शिविर लगाकर ग्रामीणों का निःशुल्क उपचार कर दवा का वितरण किया गया. शिविर का उद्घाटन बीडीओ संजय कुमार व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ संतोष टुडू के द्वारा सामूहिक रूप से डीप प्रज्ज्वलित कर किया. शिविर में बीडीओ ने उपस्थित ग्रामीणों को सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और अन्य आयामों पर जानकारी दिया. सर्व सेवा समिति संस्था के क्षेत्रीय प्रबन्धक देवांजन चक्रवर्ती ने बताया स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, आयुष्मान कार्ड बनाना, खून जांच और काउंसेलिंग की सुविधाएं उपलब्ध ग्रामीणों को कराया गया. शिविर में 293 ग्रामीणों ने स्वास्थ सुविधा का लाभ उठाया और 111 लोगो का खून जांच किया गया. मौके पर पंचायत मुखिया शिव टूडु सहित अन्य उपस्थित थे.

### परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त गणित का परीक्षा संपन्न

**हिरणपुर/अमड़ापाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** हिरणपुर प्रखंड के तीनों परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त गणित का परीक्षा संपन्न हुआ। हिरणपुर बालक मध्य विद्यालय 197 छात्रों में 193 छात्र परीक्षा में उपस्थित रहे जबकि 4 छात्र अनुपस्थित थे। वही उच्च विद्यालय हिरणपुर में 400 परीक्षार्थी में 394 छात्र परीक्षा में उपस्थित। वही तोराई मिशन स्कूल में भी शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न हुआ। प्रखंड के सभी परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण अंचलाधिकारी मनोज कुमार कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए कर रहे थे। वही अमड़ापाड़ा मुख्यालय स्थित कन्या मध्य विद्यालय में परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त गणित का परीक्षा संपन्न हुआ। प्रखंड के सभी परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण अंचलाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी ने कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए निरीक्षण कर रहे थे।

### सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर बनाये गए सोलरयुक्त जलमीनार हाथी का दांत साबित हो रहा

» पहाड़िया परिवारों के लिए सोलर ऊर्जा युक्त जलमीनार का निर्माण चंद दिनों के वाद से बंद

**पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।** प्रखंड के तेतुलिया पंचायत अंतर्गत चौकिशाल पहाड़िया टोला में पीएचईडी विभाग से पहाड़िया परिवारों के लिए सोलर ऊर्जा युक्त जलमीनार का निर्माण दो साल पहले कराया गया था। निर्माण का उद्देश्य था कि गरीब पहाड़िया परिवार के घरों तक नल लगाकर पेयजल उपलब्ध कराना है। लेकिन निर्माण के चंद महीने बाद से ही ये बेकार अवस्था में बंद पड़ा हुआ है। सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर बनाये गए सोलरयुक्त जलमीनार हाथी का दांत साबित हो रहा है। जिससे सरकार के लाखों रुपये पानी के तरह यूँ ही बर्बाद हो रहे हैं। प्रतीत होता है कि इसका फायदा केवल जलमीनार निर्माण कराने वाले ठीकेदार को ही हुआ है। जलमीनार बनने के बाद से ही यहां के 30 पहाड़िया परिवार के लोगों को उम्मीद थी कि अब पानी घरों तक पानी मिल सकेगा। निर्माण के बाद 30 परिवार में से सिर्फ 7 परिवार के घरों में ही नल का कनेक्शन किया गया है ।लेकिन उनके उम्मीदों पर पानी फिर गया । यहां के ग्रामीण सुकमुनी देहरी, ममता रानी, बेबी देवी, पूर्णिमा रानी, बोड़ो शंकर देहरी, मनोज देहरी, बड़ा बबलू देहरी, लालमुनि देहरी ने बताया कि चौकिशाल पहाड़िया टोला में विभाग की ओर से दो साल पहले ही सोलर युक्त जलमीनार का निर्माण कराया गया है लेकिन कुछ महीनों के बाद ही यह डेढ़ साल से खराब पड़ा हुआ है और मात्र 7 घरों में ही इससे कनेक्शन दिया गया है और बाकी घरों को छोड़ दिया गया है ।

## रामनवमी त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल मे संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन की तैयारी शुरु

# सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व को चिन्हित कर होगी कर्रवाई: डीसी

## सफल संपादन हेतु अधिकारियों एवं पुलिस के साथ डीसी -एसपी ने किया संयुक्त बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** रामनवमी त्योहार 30 मार्च को मनाया जाना है। त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल मे संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन नियोजित तरीके से छोटी छोटी बिंदुओं पर मंथन कर रहा है। इसी को ध्यान मे रखते हुए शनिवार को उपायुक्त श्री वरुण रंजन एवं पुलिस अधीक्षक श्री एच.पी. जनार्दनन ने संयुक्त रूप से जिला के अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा सभी थाना प्रभारी के साथ समाहरणालय सभागार में अहम बैठक की। शांति समिति की बैठक में पूर्व में संपन्न त्योहारों पर हुई कुछ छिटपुट घटनाओं पर प्रकाश डाला गया। चुंकि जिला मे सभी त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण मे संपन्न हुआ है फिर भी कोई चुक न हो इसको लेकर जिला प्रशासन सभी पहलुओं पर कार्य कर रहा है। सभी जुलुस पर सीसीटीवी एवं ड्रोन से निगरानी किया जायेगा। साथ ही सभी जुलुस का वीडियोग्राफी भी किया जायेगा।

नहीं बदलेंगे जुलुस मार्ग, निर्धारित रूट से ही निकलेंगे-
सभी अखाड़ों द्वारा निकाला जा रहा जुलुस निर्धारित रूट से ही निकलेगा। जुलुस का मार्ग नहीं बदलेगा। चुंकि रमजान त्योहार इन्ही समयों मे शुरु हो रहा है जिसे ध्यान मे रखते हुए जुलुस पर विशेष निगरानी रहेगी। संवेदनशील, अतिसंवेदनशील इलाकों पर विशेष गश्ती रहेगी। ताकि हमेशा की भांति भाईचारे के साथ रामनवमी त्योहार संपन्न हो।

- **नहीं बदलेंगे जुलुस मार्ग, निर्धारित रूट से ही निकलेंगे**
- **रमजान त्योहार शुरु हो रहा जिसे ध्यान मे रखना जरूरी ताकि हमेशा की भांति भाईचारे के साथ रामनवमी हो संपन्न**
- **सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर**

सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर
सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रहेगी। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले या असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जायेगा। विभिन्न व्हाट्सएप्प ग्रुप, फेसबुक पर कोई भड़काऊ मैसेज या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने जैसा पोस्ट ग्रुप में न डालें। सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर नियमसंगत कर्रवाई की जाएगी। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा की भीड़-भाड़ इलाकों मे विशेष चौकसी रखें। विधि व्यवस्था की दृष्टिकोण से रामनवमी महत्वपूर्ण त्योहार है। चुंकि पाकुड़ मे सभी त्योहार जिस प्रकार अबतक भाईचारे के साथ मनाया गया है जिलावासी पुनः अपनी भाईचारे की भावना से रामनवमी त्योहार भी मनाएंगे ऐसा विश्वास है। उपायुक्त ने यह भी कहा की सोशल मीडिया, छोटी छोटी बिंदुओं पर हम पैनी नजर रखे हुए है। कोई चुक न हो इसके लिए प्रयाप्त संख्या मे मजिस्ट्रेट एवं सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।

- **संवेदनशील इलाके को चिन्हित कर विशेष गश्ती रखेंगे**

पुलिस अधीक्षक ने कहा की जुलुस का मार्ग क्लियर रखें। निर्धारित रूट से ही जुलुस निकलेंगे। संवेदनशील इलाके को चिन्हित कर विशेष गश्ती रखेंगे। 107 के तहत पूर्व आवशयक कर्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे। पेट्रोलिंग दुरुस्त रखेंगे। डीजे वालों एवं अखाड़ों से लिखित मे ले लें की कोई भी भड़काऊ गाने नहीं बजाए। जितना गाना बजाया जाएगा उसका लिस्ट थाना प्रभारी को देना सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद थाना प्रभारी एवं सीओ द्वारा गाना को जांच कर बजाने की अनुमति दी जाएगी। साथ ही जुलुस मार्ग का साफ-सफाई संबंधित अखाड़ों द्वारा किया जायेगा। जुलुस के अंदर दो पहिया वाहनों का परिचालन पर पूर्णतः रोक रहेगी। बैठक मे जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, पाकुड़, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल, सभी सीओ व सभी बीडीओ समेत अन्य पदाधिकारी व थाना प्रभारी, श्री श्री 108 बजरंगबली अखाड़ा समिति, रेलवे कॉलोनी के सदस्य मुरारी मंडल हिसाबी राय, सुशील साहा, सोहन मंडल, रुपेश राम, अनिकेत गोस्वामी, मधुसूदन साहा, अक्षय चौरसिया, जिले के गणमान्य लोग एवं विभिन्न समुदाय के लोग उपस्थित थे।

## डीसी ने की सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त वरुण रंजन ने शनिवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की. बैठक में हुए सड़क दुर्घटनाओं एवं उनके कारणों की विस्तृत समीक्षा की। डीसी ने सड़क दुर्घटनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होने 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे द्वारा बाईक चलाए जाने के विरूद्ध जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसके अलावे हिट एंड रन से सम्बधित मामलों का ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी प्रखण्डों पर लगातार जांच अभियान चलाकर बढ़ती सड़क दुर्घटना पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। इस क्रम में उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष गर्ग से इस माह की गई कार्रवाई के संदर्भ में जानकारी ली। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क दुर्घटना के एनालिसिस के बारे में बताया कि जनवरी 2022 से दिसम्बर 2022 तक अब तक 90 सड़क दुर्घटना हुई है, जिसमें से 94 लोगों की मृत्य हुई। जिसमें आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा 18 लोगों को मुआवजा राशि दिया गया है। जनवरी 2023 से फरवरी 2023 तक 17 सड़क दुर्घटना हुआ जिसमें 16 लोगों की मृत्यु हुई। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटना को रोकने एवं सड़क दुर्घटना में मारे जाने वाले व्यक्ति के परिजनों को एक लाख रुपए सरकारी मुआवजा राशि के भुगतान को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिया गया।

उपायुक्त वरुण रंजन के द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि मुआवजा की राशि एक महीना के अंदर देना सुनिश्चित करें

उपायुक्त ने ओवरलोड को लेकर परिवहन विभाग द्वारा जारी गाइड लाइन का अनुपालन नहीं करने वाले दो पहिया, तीन पहिया एवं बड़े वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने व नियम के तहत कार्रवाई करने को कहा।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को मदद करने वाले व्यक्तियों को सरकार प्रोत्साहित करेगी

मोटर वाहन जनहित सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को सहायता करने तथा सुनहरा घंटा में अस्पताल पहुंचाने में सहायता करने वाले नेक व्यक्तियों को प्रोत्साहित करते हुए 5000 रुपये का नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करने की योजना लागू की गई है। मौके पर अपर समाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, पाकुड़ एसडीपीओ, मुख्यालय डीएसपी, सभी अंचलाधिकारी, सभी थाना प्रभारी एवं आईटी असिस्टेंट अमित कुमार, जिला जनसंपर्क कार्यालय से भूषण कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

## 51 आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ ।** खुशहाल बचपन अंतर्गत अनौपचारिक शिक्षा को बेहतर बनाने हेतु 51 आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका को डायट भवन सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम की शुरुआत उपायुक्त वरुण रंजन, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला शिक्षा अधीक्षक मुकुल राज, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अंजू कुमारी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रशिक्षण का संचालन पीरामल फाउंडेशन के सुदीप्तो हाजरा ने किया. एक समय आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के लिए खिचड़ी वितरण केंद्र के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब इसका स्वरूप बदल रहा है। उपायुक्त वरुण रंजन की पहल पर आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित अनौपचारिक शिक्षा को प्री नर्सरी स्कूल के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के जरिए बच्चों को स्कूल जाने के लिए तैयार किया जा रहा है। खुशहाल बचपन कार्यक्रम के तहत बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित किया जा रहा है। शनिवार को खुशहाल बचपन अंतर्गत अनौपचारिक शिक्षा को बेहतर बनाने हेतु 51 आंगनबाड़ी केंद्र के सेविका एवं महिला पर्यवेक्षिका को डायट भवन सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त वरुण रंजन ने बताया कि बच्चों को पोषण आहार देने के साथ ही शिक्षित किया जा रहा है। इसके लिए जिले के 51 आगंनबाड़ी केंद्र के सेविका और महिला पर्यवेक्षिका को प्रशिक्षण दिया गया है। जिला प्रशासन प्रथम चरण में 51 आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर आंगनबाड़ी केंद्र को प्री नर्सरी स्कूल के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यहां सारी व्यवस्था की जा रही है। बच्चों के पढ़ने-लिखने, खेलने कूदने के अलावा उनके मनोरंजन का इंतजाम किया जा रहा है है। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के अनौपचारिक शिक्षा को बेहतर बनाने हेतु 3 से 4 वर्ष एवं 4 से 5 वर्ष के बच्चों के मानसिक विकास, बौद्धिक विकास, शारीरिक विकास एवं सामाजिक भावनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए प्राइवेट प्री नर्सरी स्कूल के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार की गई है एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर नामांकित सभी बच्चों को जिला प्रशासन के द्वारा पाठ्य पुस्तिका, बैग, वाटर बोतल, स्टोन बॉक्स, ड्रेस आदि उपलब्ध कराया गया है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2023-24 में खुशहाल बचपन अंतर्गत सिलेबस के अनुरूप अनौपचारिक शिक्षा सभी बच्चों को दी जाएगी एवं महिला पर्यवेक्षिका द्वारा इसका कंटीन्यूअस मॉनिटरिंग किया जाएगा।

# अधिक से अधिक निक्षय मित्रों की सहभागिता से ही वर्ष 2025 तक भारत टीबी मुक्त हो पाएगा: उपायुक्त

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

**पाकुड़ । विनोद कुमार दास।** शनिवार को सदर अस्पताल सोनाजोड़ी सभागार कक्ष में उपायुक्त वरुण रंजन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त वरूण रंजन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, एसीएमओ डॉ अरविंद कुमार, डीएस डॉ एस.के झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एहतेशाम उद्दीन, एमओआईसी डॉ के.के. सिंह, डॉ अमित कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि अधिक से अधिक नि-क्षय मित्रों की सहभागिता से ही वर्ष 2025 तक भारत टीबी मुक्त हो पाएगा। इसके लिए सभी अधिकारियों को विशेष प्रयास करना होगा। इस अभियान के तहत निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत रोगियों को पोषण के लिए मिलनेवाले प्रतिमाह 500 रुपये के अतिरिक्त कारपोरेट क्षेत्रों, निजी संस्थाओं, जन प्रतिनिधियों द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए ये प्रखंड या टीबी यूनिट गोद लेंगे। गोद लेनेवाली संस्थाओं को ही नि-क्षय मित्र नाम दिया गया है। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि इस वर्ष का थीम एर!! We can End TB 2023' रखी गई है। राष्ट्रीय यक्ष्मा रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2025 तक क्षय भारत को टीबी रोग मुक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश कर रही है बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि ऐसी सुविधायें दूर-दराज के इलाकों में भी उपलब्ध हों। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य टीबी के मरीजों का इलाज उपरोक्त संस्थाओं की ओर से या व्यक्तिगत रूप से जिला, प्रखंड, पंचायत और टोला स्तर पर व्यक्तिगत स्तर पर रोगियों के इलाज के दौरान गोद लेते हुए टीबी मुक्त होने तक या कम से कम छह माह तक इलाज व पोषाहार देकर उन्हें टीबी मुक्त बनाना है। वर्तमान में टीबी के मरीजों को सरकार की तरफ से सहायतार्थ पांच सौ रुपए पोषाहार के लिए मुहैया कराया जाता है। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि उच्च प्राथमिकता के साथ इस अभियान को जन-आंदोलन बनाना सभी नागरिकों का कर्तव्य है। इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए लोगों में टीबी के बारे में जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्हें बताना होगा कि इस बीमारी का रोकथाम संभव है। इसका इलाज प्रभावी और सुलभ है तथा सरकार इस बीमारी का रोकथाम और उपचार के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य टीबी मुक्त भारत के लिए जन भागीदारी बढ़ाना है। साथ ही टीबी रोग पर नियंत्रण हेतु लोगों को सावधानियां बताते हुए जागरूक करने का प्रयास किया जाय, जिससे कि वो जागरूक होकर इस अभियान में हिस्सा लें।

कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में घर-घर जाकर टीबी के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा और टीबी के मरीजों को चिन्हित कर उनका इलाज कराया जाएगा। इसके तहत सभी सहिया बहनें डोर-टू-डोर जाकर कार्यक्रम की सफलता को लेकर लोगों को जागरूक करेंगी और टीबी जैसी गंभीर बिमारी को आने वाले वर्ष 2025 में भारत को टीबी मुक्त करने में अपना योगदान देंगी। इसके अलावा दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी होना सांस फूलना, सांस लेने में तकलीफ होना, शाम के दौरान बुखार का बढ़ जाना, सीने में तेज दर्द होना, अचानक से वजन का घटना, भूख में कमी आना, बलगम के साथ खून आना। टीवी के रोकथाम के लिए टीवी का मुफ्त जाँच, दवाएं, परामर्श सहायता, निक्षय पोषण योजना अंतगर्त सभी टीबी रोगी को उपचार अवधि में पोषण सहायता राशि 500 रुपये प्रतिमाह के दर से दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एहतेशाम उद्दीन ने 2025 तक पूरे देश को टीबी मुक्त करने के उद्देश्य से किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए सभी को विश्व यक्ष्मा दिवस की शुभकामनाएं दी। वहीं उन्होंने टीबी मरीजों के इलाज हेतु जिले में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं के संबंध में भी सभी को विस्तार से जानकारी दी।

हिंदी दैनिक झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

# गांजा के अवैध कारोबार पर सरैयाहाट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मोटरसाइकिल की डिक्की एवं झोपड़ी से करीब चार किलो गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** सरैयाहाट पुलिस ने गांजा के अवैध तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की है।गुप्त सूचना पर छापेमारी अभियान चलाकर एक मोटरसाइकिल की डिक्की एवं एक झोपड़ी से तकरीबन चार किलो गांजा बरामद किया है। मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने प्रेसवार्ता कर बताया कि सरैयाहाट पुलिस को गुप्त सुचना मिली की हंसडीहा देवघर मार्ग के रास्ते मोटरसाइकिल संख्या जे एच 15ए बी/0944 से गांजा तस्करी की जा रही है।सरैयाहाट थाना प्रभारी बिनय कुमार ने मामले में वरीय पदाधिकारी को सूचित किया।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में छापमारी दल का गठन कर सरैयाहाट थाना क्षेत्र के गुरुनाथ पहाड़ी के पास वाहन जांच के क्रम में उक्त मोटर साइकिल जे एच 15ए बी/0944 को आता देख रोका गया,परन्तु वाहन चालक ने तेजी से भागने का प्रयास किया,जिसे मौके पर मौजूद सशस्त्र बल के सहयोग से घेर कर पकड़ लिया गया।पूछताछ के क्रम में उसने अपना नम बिनोद कुमार मंडल,पिता स्व कैलाश चंद्र मंडल,घर बांझी,(घोड़मारा) थाना मोहनपुर जिला देवघर बताया।जाँच के दौरान उक्त वाहन की डिक्की से करीब दो किलो गांजा और हेंडल से टंगे थैले में इलेक्ट्रोनिक वजन मशीन बरामद किया गया।बिनोद कुमार मंडल से पूछ ताछ करने पर उसके निशानदेही पर बाबूलाल मंडल के झोपडी से करीब दो किलो गांजा बरामद हुआ।

बिनोद के अनुसार बाबूलाल के द्वारा ही बिनोद कुमार मंडल को गांजा दिया गया था। बाबूलाल फिलहाल फरार बताया जा रहा है। इस संबंध में थाना कांड संख्या 25/23, धारा 20(बी)(卐卐)(इ)एनडीपीएस एक्ट 1985 दर्ज कर अनुशंधान किया जा रहा है।फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए छापमारी की जा रही है।

## विश्व यक्ष्मा दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** संथाल परगना महिला महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में एनएसएस यूनिट 1और यूनिट 2 के स्वयंसेविकाओं के मध्य प्राचार्या की अध्यक्षता में ₹विश्व यक्ष्मा दिवस 2023 का आयोजन किया गया । इस अवसर पर इकाई 1 एवं 2 के संयुक्त तत्वाधान में ₹विश्व यक्ष्मा दिवस 2023₹ के कार्यक्रम के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सभी एनएसएस छात्राओं ने इसमें बढ़ -चढ़कर भाग लिया । प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली के रूप में भौतिकी विभाग के डॉ अविनाश शरण एवं जंतु विभाग की

डॉ खुशबू तिग्गा ने अहम भूमिका निभाई। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान -दीपशिखा कुमारी द्वितीय छोटी बेसरा तृतीय भानुप्रीती कुमारी का चयन किया गया। इस अवसर पर टीवी हॉस्पिटल दुमका के मोहम्मद कमाल पिंटू ,सुदीप कुमार सिंह, कुवर मुर्मू, पिनाकी रंजन की टीम महाविद्यालय में एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारियों डॉ नम्रता गौरव एव डॉ महाश्वेता द्वारा आमंत्रित किए गए थे। टीम के द्वारा ₹ट्यूबरक्लोसिस इनीशिएटिव₹ पर पावर पा-ॅइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया । छात्राओं के द्वारा यह कार्यक्रम अत्यंत सहारा गया। इस कार्यक्रम में डॉ राकेश कुमार, डॉ हनीफ, डॉ ईश्वर मरांडी, डॉ प्रेमलता मुर्मू, प्रो प्रीती किरण हांसदा, एवं सभी शिक्षक- शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### एसपीटी एक्ट के आड़ में कुछ ऐसे लोग ग्राम प्रधान बन बैठे हैं,जिसका संथाली परंपरा एवं रीति रिवाज से कोई संपर्क नहीं : वर्नाड हांसदा

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** सेंगेल अभियान के प्रखंड अध्यक्ष वर्नाड हांसदा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ग्राम प्रधान संथाल समाज के राजस्व मौजा का प्रशासनिक प्रधान होता है। संथाल परगना काश्तकारी कानून में ग्राम प्रधानों को भूमि राजस्व का बिशेष अधिकार दिया गया है।दूसरी ओर उस कानून के आड़ में ऐसे लोग ग्राम प्रधान बन बैठे हैं,जिसका संथाली परंपरा एवं रीति रिवाज से कोई संपर्क नहीं हैं।वंशानुगत नियम के तहत ग्राम प्रधान चयन के आदेश के आड़ में यहां अन्य राज्यों के लोग ग्राम प्रधान बन बैठे हैं ।ग्राम प्रधान मांझी संगठन के भीम प्रसाद मंडल ने सालखन मुर्मू और सेंगेल का बिरोध किया हैं,जो संविधान और जनतंत्र का विरोध करना है।सेंगेल ने हाई कोर्ट में मांझी परगाना के खिलाफ मुकदमा नहीं किया था। मगर अब पूरे देश में जनतांत्रिक तरीके से माझी-परगाना के चयन हेतु सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, ताकि आदिवासी समाज से नशापान, अंधविश्वास और राजनीतिक कुपोषण खत्म हो सके। मंडल आदिवासी संताल समाज का माझी बनकर समाज में अतिक्रमण छोड़े। समाज को बेवकूफ बनाना बंद करें। सेंगेल के कार्यकर्ताओं पर हमले की घोषणा गुंडागर्दी है। सेंगेल संताल परगना को बचाने के लिए कटिबद्ध है। सोरेन परिवार और वंशानुगत नियुक्त माझी परगाना आदि को बेनकाब और बेदखल किये बगैर संताल परगना नहीं बचेगा।

### मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में व्यवहार न्यायालय, दुमका के न्याय सदन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका की अध्यक्षता में आज रे×फरल न्यायाधीशों और मध्यस्थों के लिए मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को विस्तार पूर्वक समझाते हुए कुमार प्रभात तथा किरण तिवारी, मध्यस्थ ने मध्यस्थता से संबंधित कार्य प्रणाली एवं उससे होने वाले लाभों से अवगत कराया साथ ही उनसे मध्यस्था की कार्यवाही में आवशयक सहयोग प्रदान करने हेतु अनुरोध किया। उन्होंने रेफरल जजेज की मध्यस्थता हेतु रे×फर किए जाने वाले प्रकरणों की कार्यवाही तथा मध्यस्थता की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षित मध्यस्थों ने मध्यस्थता कार्यवाही में आने वाली समस्याओं एवं कार्य प्रणाली में सुधार किए जाने हेतु आवशयक सुझाव प्रस्तुत किए।

## पहले मां चल बसी फिर पिता का भी हो गया देहान्त

- बालगृह में रह रहे बालक को सीडब्ल्यूसी ने परिवार में किया रिस्टोर
- मां की मृत्यु के बाद पिछले डेढ़ साल से बालगृह में रह रहा था बालक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जन्म के बाद उसकी मां चल बसी। 60 दिन के बालक को पिता ने एक साल बाद घर ले जाने के वादे के साथ उसके बेहतर दे-खरेख एवं संरक्षण के लिए बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया। पिता बच्चे से बीच-बीच में मिलने भी आया करता था। पर बाद में बालक के पिता की भी मौत हो गयी। इस तरह से इनकैपेसिटेटेड पैरेन्ट श्रेणी का यह बालक आरफन (अनाथ) की श्रेणी में आ गया। किशोर न्याय (बालकों के देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 के प्रावधानों के मुताबिक देखरेख और संरक्षण की आवशयकता वाले (सीएनसीपी) बालक के लिए परिवार सबसे अच्छा और बालगृह अंतिम विकल्प है। ऐसे में इस बाल को परिवार में रिस्टोर करना बाल कल्याण समिति के लिए बड़ी चुनौती थी। समिति ने बालक के बड़े पापा को इस बात के लिए तैयार किया कि वह बालक का संरक्षण एवं देखरेख करे। यह भी बताया गया कि प्रक्रिया के तहत बालक के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए उसे स्पान्सरशिप स्कीम से जोड़ दिया जायेगा जिससे बालक को उसके खाते में तीन वर्ष तक 2000 रुपये मिलेंगे और झारखण्ड में मिशन वास्तसल्य के लागु होते ही यह राशि प्रतिमाह 4000 रुपये हो जायेगी। बालक के बड़े पापा और बड़ी मां इसके लिए सहर्ष तैयार हो गये। शनिवार को मिशनरीज ऑफ चैरिटी द्वारा डेढ़ साल के इस बालक को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डा राज कुमार उपाध्याय और नुतन बाला के बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट ने इस मामले की सुनवायी करते हुए बालक के बड़े पापा और बड़ी मां का बयान दर्ज किया और वचनबंध लेकर बालक को उसके परिवार को सौंप दिया गया।

## जामा थाना प्रभारी को कांडों का निष्पादन करने पर मिला सुसेवांक

**झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका** । जामा थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू को एसपी कार्यालय के तरफ पुलिस अधीक्षक अंबर लकड़ा ने माह फरवरी में जामा थाना कांड का निष्पादन संतोषजनक किया गया जो इनके उत्कृष्टता कार्यों को परिलक्षित करता है अतः इनके मनोबल बनाए रखने के लिए इन्हें एक सुसेवांक से पुरस्कृत किया जाता है वहीं इस मामले में थाना प्रभारी जितेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि जो भी मामले रहता है मैं उसे सर्वप्रथम प्राथमिकता में रख कर काम करता है और पुरस्कृत होने पर हौसला बढ़ता है।

## प्रतिष्ठान का निबंधन नहीं होने पर होगी कार्रवाई

**झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा राज्य के निजी क्षेत्र में नियोजन हेतु ''झारखण्ड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम, 2021 एवं नियमावली, 2022'' 12 सितम्बर 2022 से अधिसूचित है। नियोजन पदाधिकारी ने कहा कि दुमका जिला अन्तर्गत वैसे सभी प्रतिष्ठानों जिनके यहाँ 10 या 10 से अधिक कार्यबल है एवं वर्तमान तिथि तक जो निबंधन नही कराये हैं, को सूचित किया जाता है कि वे झारखण्ड राज्य के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम, 2021 एवं नियमावली, 2022 का अनुपालन के अन्तर्गत अपने प्रतिष्ठान का निबंधन 04 अप्रैल 2023 तक अवर प्रादेशिक नियोजनालय, दुमका कार्यालय में कराना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त-सह-अभिहित पदाधिकारी, दुमका के निदेशानुसार उक्त तिथि तक प्रतिष्ठान का निबंधन नही कराने की स्थिति में नियमानुसार आर्थिक एवं दण्डात्मक कारवाई किया जायेगा।

## उपायुक्त के निर्देशानुसार मुआवजा राशि भुगतान शिविर का आयोजन....

**देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, देवघर के अध्यक्षता में शहरजोरी मोड़ (एम०डी०आर०-222 पर)-आसनबनी-अलगबरा-दुमदुमी-दनरबाद-करौं तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण परियोजना हेतु मौजा-आसनबनी, थाना सं०-564, अंचल-सारठ, थाना-सारठ, जिला-देवघर अर्जनाधीन भूमि से संबंधित पंचाटियों को मुआवजा राशि भुगतान हेतु स्थान-मध्य विद्यालय, आसनबनी, प्रखण्ड-सारठ, जिला-देवघर में शिविर का आयोजन किया गया।

इसके अलावे उक्त मौजा में कुल-78 पंचाटियों में लगभग-256 हितबद्ध रैयत उपस्थित हुए एवं मुआवजा राशि भुगतान करने हेतु नियमानुसार कुल राशि-11624935/-(एक करोड़ सौलह लाख चौब्बीस हजार नौ सौ पैंतीस) रूपये मात्र भुगतान करने का आदेश दिया गया। साथ ही राशि-19070354/-(एक करोड़ नब्बे लाख सतर हजार तीन सौ चौवन) रूपये मात्र पंचाटियों का अंचल अधिकारी, सारठ से 07 पंचाटों के मामलों से संबंधित जांच प्रतिवेदन अप्राप्त रहने के कारण एवं पंचाटियों में सहमति नही रहने के कारण भुगतान लंबित रखा गया। शिविर में उपस्थित संबंधित राजस्व कर्मचारी को वांछित जांच प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

## तमिलनाडु में ट्रेन हादसे में दिवंगत अर्जुन की मां को बीडीओ ने सौंपा 50000 का चेक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** जामा प्रखंड मुख्यालय में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने अन्य कर्मियों तथा ग्रामीणों की मौजूदगी में तमिलनाडु में ट्रेन हादसे में दिवंगत की आश्रित मां चुड़की हांसदा को 50000 रुपये का चेक प्रदान कियो मौके पर बीडीओ ने मृतक की माता को हर प्रकार से मदद करने का भरोसा दिया। बताया गया कि प्रशासन मृतक के शव को लाने के प्रयास में जुट गया है और एम्बुलेंस भेज दिया गया है।बता दें कि

जामा प्रखंड के बीचकोड़ा गांव के रहने वाले अर्जुन सोरेन की तमिलनाडु में ट्रेन से कट कर सोमवार को मौत हो गयी थी। अर्जुन सोरेन तमिलनाडु से अपना घर बीचकोड़ा अपने दोस्तो के साथ सोमवार को वापस लौट रहा था,उसी दौरान ट्रेन में ज्यादा भीड़ भाड़ होने के कारण आराकोरम रेलवे पुलिस स्टेशन, जिला रानीपैड,मे ही फिसल कर ट्रेन के पटरी में गिर गया और ट्रेन से कट कर मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। मृतक के पिता नहीं है उनकी मौत हो चुकी हैं,घर में बुढ़ी मां,पत्नी और उसके एक छोटे बच्चे का रो रोकर बुरा हाल हो रहा थो जिसकी सूचना मिलते ही प्रशासन द्वारा तुरंत सहायता प्रदान की गई और शव को लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई ।

## कोयला चोरों का बढ़ा मनोबल, कोयला उतारने से मना करने पर हाईवा चालक के साथ कोयला चोरो ने की मारपीट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**बेरमो /जारंगडीह** । मामला बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह काटा घर बीते देर रात लगभग 2 से 3 बजे की है मामला जंहा कोयला गाड़ी से उतारने से मना करने पर चालक के साथ मारपीट की गई ।

तेनुघाट मुख्यालय के बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र का जारंगडीह काटा घर का है मामला ज़हां बीते देर रात कोयला चोरों ने हाईवा चालक की पीटाई कर दी।चालक ने बताया कि कोयला उतारने से मना करने पर कोयला चोरों ने पीटाई कर दिया है और हाईवा का चाभी भी लेकर भाग गया है। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा विभाग की टीम जारंगडीह काटा घर पहुंची।और मामले से अवगत हुई ।घटना को देख सहज ही समझा जा सकता है कि किस तरह जारंगडीह में कोयला चोरों का मनोबल बढ़ा हुआ ये घटना साफ बंया कर रही है। दरअसल यह परिणाम कंही न कहीं कोयला चोरों को मिली छूट का का बताया जा रहा है बताता चलूं कि कल देर शाम को ही सीसीएल कथारा क्षेत्र के क्षेत्रीय सुरक्षा विभाग के द्वारा जारंगडीह काटा घर में छापामारी की गई थी जिस छापामारी में 5टन कोयला जप्त भी किया गया था और कोयला ढुलाई के कार्य में लगे मोटरसाइकिल को भी क्षतिग्रस्त किया गया था। वंही चालक के साथ मारपीट की घटना के बाद कांटा रोक दी गई है। मामले की जानकारी स्थानीय थाना बोकारो थर्मल को भी दी गई है।

## रूबेला के बारे में बता कर बच्चों को किया जागरूक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** राम गोपाल शर्मा गुरुकुलम में अभिभावक शिक्षकों की बैठक की गई जिसमे बर्तमान में भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा खसरा और रूबेला के खत्मे का अभियान के बारे में वृस्तृत जानकारी दिया गया। बैठक में प्रमुख वक्ता के रूप में वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन के वरिष्ठ पदाधिकारी डा राजीव ने बताया की खसरा एक घातक रोग है तथा बच्चों में विकलांगता तथा मृत्यु के प्रमुख कारन में से एक है। यह अत्यधिक संक्रामक यो छींक या खांसी से फेलता है तथा बच्चों में निमोनिआ, मस्तिक की बुखार डायरिआ जैसा प्राणघातक जटिलताओं का संभावना बड़ा देती है। रूबेला के बारे में उन्होंने बताये की अगर स्त्री को गर्भास्था के आरम्भ में रूबेला आक्रमण होता है तो सी आर एस ( जन्म जात रूबेला सिंड्रोम ) विकशित हो सकता है जो भ्रूण या नवजात शिशुओं की आंख, मस्तिष्क प्रभावित हो सकता है तथा गर्भवती स्त्री में गर्वपात, अकाल प्रसव या मृत प्रसब होने का संभावनाएं बढ़ जाती है। उन्होंने ९ महीना से लेकर १५ साल के उमर के सभी बच्चों को टि-का दिलवाने का आ''ान कियें। चाहे पहले उनको खसरा रूबेला का टिकाकरण हुआ या पहले उनको कभी खसरा - रूबेला संक्रमण हुआ हो। इस बैठक में अतिथि के रूप में दुमका सदर प्रखंड के चिकित्सा पदाधिकारी डा मकसूद आलम, वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारी डा महाजन ने भी टीकाकरण के वारे में अपना अपना मन्तब्य पेश कियें तथा अभिभावक गण के बिभिन्न प्रश्न का जवाब दियें। डा० मकसूद आलम ने अगले माह से टीकाकरण की शुरुवात करने की आश्वासन दिया।

इस बैठक में गुरुकुलम के संस्थापक स्वामी आत्मानंद, अध्यक्ष स्वामिनी अनुराधा, प्रधानाचार्य मिलान कुमार मंडल सह सभी आचार्यगण तथा आसपास के गाओं के सभी अभिभावक उपस्थित थे।

## जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के लिए कॉमन सर्विस सेंटर सेवाओं पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

**दुमका।** दुमका के इंडोर स्टेडियम में शनिवार को जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के लिए कॉमन सर्विस सेंटर सेवाओं पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला का उद्घाटन जिला आपूर्ति पदाधिकारी बंका राम, कॉमन सर्विस सेंटर के सीनियर मैनेजर अनुपम उपाध्याय,स्टोर के एग्जीक्यूटिव रोहित कुमार,सीएससी मैनेजर भानु प्रकाश,शंभू झा एवं एजुकेशन कंसलटेंट रविंदर राउत के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी बंका राम ने जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जन वितरण प्रणाली दुकानों को बहुउद्देशीय बनाने जा रही है।जन वितरण प्रणाली दुकानों से अब राशन वितरण के अलावा सभी तरह के ऑनलाइन कार्य कराए कराए जाने के लिए दुकानों को कॉमन सर्विस सेंटर में परिवर्तित किया जा रहा है। उन्होंने सभी विक्रेताओं को दुकान को बेहतर ढंग से रखने खाद्यान्न वितरण समय पर करने तथा सभी तरह के कागजात अद्यतन रखने का निर्देश दिया। मौके पर रांची से आए अनुपम उपाध्याय ने विक्रेताओं को बताया कि कॉमन सर्विस सेंटर के जरिए आय प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र,जमा निकासी,आधार कार्ड,जॉब कार्ड,ई श्रम कार्ड,गोल्डन कार्ड राशन कार्ड के साथ-साथ ऑनलाइन खरीद बिक्री सहित सभी तरह की सुविधाएं मिल सकेगी। जिससे प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया का सपना साकार होने के साथ-साथ जनवितरण दुकानदारों के आय में भी वृद्धि होगी। मौके पर जिला भर से आए कॉमन सर्विस सेंटर के लिए चयनित विक्रेता एवं स्वयं सहायता समूह की महिला दुकानदार मौजूद रहे।

# पुस्तक समीक्षा

- **डा.नम्रता कुमारी,2021.थारू कला की विरासत, भारती प्रकाशन,45,धर्मसंघ कॉम्पलेक्स,दुर्गाकुण्ड,वाराणसी--221010,मो.9305292293**
- **मेल-bharatiprakashan@gmail.com**
- **मूल्य-600/-**

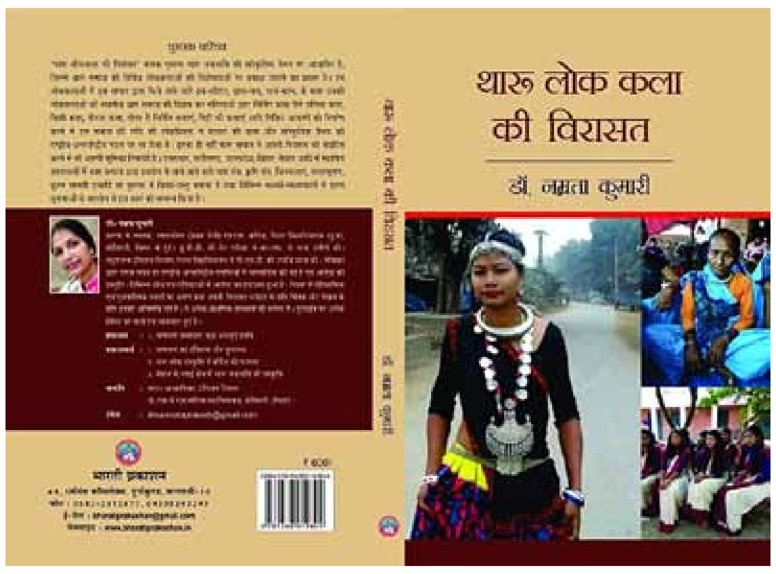


**डॉ दिनेश नारायण वर्मा, इतिहासकार**

देश के विभिन्न क्षेत्रों में निवासित अधिकांश जनजातियों का राजनीतिक और बहुत हद तक सामाजिक इतिहास उपलब्ध है क्योंकि विभिन्न विश्वविद्यालयों में इसी के अनुरूप शोध कार्य ज्यादा हुए हैं। इ.जी.मान,डब्ल्यू.डब्ल्यू.हंटर,एडवर्ड टुइट डाल्टन,एच.एच.रिसले,एल.एस.एस.ओ'मैली आदि प्रख्यात पाश्चात्य विद्वानों ने भी अधिकतर कथित दृष्टिकोण से ही जनजातियों पर इतिहास लेखन किया। एस.सी. राय,एन.के.बोस, एल.पी.विद्यार्थी,ए.आर.एन.श्रीवास्तव,सचिदानन्द,बी.के.राय, एस.सी.दूबे, बी.के. रायवर्मन,नर्मदेश्वर प्रसाद,पी.सी.रायचौधरी,चतुर्भुज साहू,बी.पी.मिश्रा,पी.के.शुक्ला आदि भारतीय विद्वानों ने जनजातियों का अध्ययन मानवशास्त्रीय दृष्टिकोण से किया। इसलिए देश के अधिकांश जनजातियों की गौरवशाली संस्कृति, सांस्कृतिक जीवन,सांस्कृतिक धरोहरों आदि जनजातीय इतिहास के महत्वपूर्ण विषयों पर बहुत कम लिखा गया।यद्यपि ऐसा नहीं है कि देश में जनजातियों का अध्ययन और इतिहास-लेखन कथित दृष्टिकोणों के इतर नहीं किया गया फिर भी देश की जनजातियों की संस्कृति और इसकी गौरवशाली परम्परा और विरासत पर शोध और लेखन किये जाने की बड़ी आवश्यकता है। इस आलोक में डा.नम्रता कुमारी की शोध रचना थारू कला की विरासत विशेषरूप से प्रशंसनीय और महत्वपूर्ण है क्योंकि लेखिका ने सम्भवतया पहली बार अपने अथक प्रयास से चम्पारण(बिहार) के थरूहट में निवासित थारू समाज की कला और संस्कृति की सुन्दर सारगर्भित विवेचना की है।यह उल्लेखनीय है कि थारू जनजाति अपनी अनूठी संस्कृति के लिए प्रख्यात है।इससे अनकी अलग पहचान विकसित हुई। चौधरी, कुसमी,महतो,दनुवार, राणा,कुमाल,कठारिया आदि इनकी उपजातियां हैं।मूलरूप से ये राजस्थान के थार के निवासी हैं और अपने आप को महाराणा प्रताप का वंशज बताते हैं।इनकी परम्पराएं,वेशभूषा,धार्मिक आयोजन,लोकनृत्य,संगीत, सामाजिक संस्कार आदि इसे अनूठा बनाते हैं। बिहार के अलावा ये पश्चिम बंगाल,उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में भी पाये जाते हैं।प्रारम्भ में मूल रूप से कृषि पर निर्भर रहने वाली इस जनजाति के लोग अब समाज की मुख्य धारा से जुड़कर आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर हैं।

इस जनजाति की कलात्मक संस्कृति के विभिन्न आयामों को प्रामाणिक और तार्किक रूप से प्रस्तुतीकरण हेतु लेखिका ने इसे कुल बारह अध्यायों में वर्णित किया है।इससे पुस्तक की विषयवस्तु की महत्ता और मौलिकता स्पष्ट होती है।इसके अध्याय-1 (पृ-.25-40) थारू जनजाति-इतिहास,संस्कृति और जीवनशैली में थारू जनजाति की संस्कृति और जीवनशैली के अलावा इसके इतिहास को भी लेखिका ने रेखांकित किया है। थरूहट की भौगोलिक स्थिति की विवेचना करते हुए लेखिका ने इस जनजाति की उत्पत्ति,विकास, प्रजाति,उपजातियाँ और इस जनजाति से जुड़ी अनेक अवधारणाओं की विवेचना की है। इसी अध्याय में सामाजिक संरचना,लोकजीवन और संस्कृति की भी समीक्षात्मक विवेचना प्रस्तुत की है। लेखिका के अनुसार थारू मिश्रित प्रजाति के हैं क्योंकि इनमें आर्य,मंगोल ,द्रविड़ आदि रक्तों का सम्मिश्रण है। अध्याय-2 (पृ.41-45) थारू जनजाति की लोककलाएं तकनीकी एवं उपकरण और अध्याय-3 (पृ.46- 68) थारू जनजाति की हस्त-शिल्प कला में सम्बन्धित विषयों की सुन्दर विवेचना है।लेखिका ने लोक कला को परिभषित करते हुए इस जनजाति की महिलाओं और पुरुषों की हस्तशिल्प कार्यों पर प्रकाश डाला है।अपनी सांस्कृतिक सम्पदा के लिए प्रख्यात इस जनजाति की विभिन्न कलाकृतियों को लेखका ने बड़े ही सुन्दर तरीके से प्रस्तुत किया।अध्याय -4(पृ.69-78) थारू जनजाति की गृह-निर्माण कला शैली और अध्याय-5(पृ.78-87) थरूहट की लोक चित्रकलाएं में इस जनजाति की गृह-निर्माण कला शैली और चित्रकलाओं की विवेचना है और इनकी परम्परागत व्यवस्थाओं और मौलिक विशेषताओं को स्पष्ट किया गया है। अध्याय-6(पृ.88-103),अध्याय-7 (पृ.104-140) और अध्याय-8 (141-152)में लेखिका ने थारू जनजाति की श्रृंगार,वस्त्राभूषण,नृत्य-संगीत,नाट्य कला और व्यवसायिक लोक कलाओं की चर्चा की और इनकी आधारभूत विशेषताओं को स्पष्ट किया। अध्याय-9(पृ.153-162),अध्याय-10(पृ.163-166) और अध्याय-11(पृ.167-182) में लेखिका ने इस जनजाति की प्राकृतिक आहार और औषधियां,लोक कलाओं का संग्रह,लोक कला कार्यशाला,संरक्षण,प्रशिक्षण आदि की विवेचना की है। पुस्तक के अध्याय-12 (पृ.183-187) उपसंहार में लेखिका ने अपने शोध अध्ययन की संक्षिप्त विवेचना की है और सुझाव दिया है कि कला के द्वारा अर्थपार्जन सही है।पर बाजार की मांग के आधार पर अपनी कला का दिशा निर्धारण नुकसानदेह हो सकता है।आज आदिवासियों की कला-संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए गहराई से सोचने की आवश्यकता है।

इस प्रकार लेखिका ने थारू जनजाति की कलात्मक संस्कृति के विभिन्न आयामों की सारगर्भित प्रामाणिक विवेचना प्रस्तुत की है। लेखिका ने अपने गहन अध्ययन में थारू जनजाति की सामाजिक बनावट और उनकी अनूठी संस्कृति से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं की व्यापक और सुन्दर विवेचना की है।लेखिका ने इस जनजाति की आर्थिक जीवन के विभिन्न आयामों को स्पष्ट कर अपने शोध कार्य को व्यपक परिप्रेक्षय में प्रस्तुत करने और सारगर्भित बनाने की सफल कोशिश की है। इसलिए उनकी शोध रचना क्षेत्रीय इतिहास-लेखन में एक महत्वपूर्ण योगदान है।इस तरह की रचनाएं काफी प्रयास और लगन की प्रतिफल होती हैं और किसी भी पाठक को इस आलोक में लेखिका से कोई शिकायत नहीं हो सकती। पुस्तक में वर्णित व्यापक संदर्भ सूची के अलावा लेखिका द्वारा लिये साक्षात्कारों का भी उल्लेख है।इससे पुस्तक की मौलिकता स्पष्ट होती है। पुस्तक में दो परिशिष्ट और कई फोटोग्राफ्स भी संलग्न हैं।इन परिशिष्टों में दिये गये कलात्मक वस्तुओं के शब्दों का सरलतम अर्थ और वनौषधि और स्वास्थ्य की रक्षा के लिए उपयोगी जड़ी-बूटियों का उल्लेख आदि इस पुस्तक की अनेक विशेषताओं में शामिल हैं।इसकी भाषा सरल है और शब्दों का चयन प्रशंसनीय है। इसलिए किसी पाठक को तथ्यों और विवेचनाओं को समझने में किसी प्रकार की दिक्कत होने की सम्भावना नहीं है। इसमें दिये गये छाया-चित्रों से पाठकों का आकर्षित होना तय है। इस प्रकार लेखिका ने अपने शोध अध्ययन को मौलिक और प्रामाणिक बनाने की सफल कोशिश की है। हिन्दी में इस तरह की रचनाएं बेहद स्वागत योग्य हैं क्योंकि हिन्दी में इस तरह की रचनाओं की बड़ी कमी है।यह पुस्तक छात्र-छात्राओं.शोधार्थियों ,शिक्षकों के अलावा उन सभी विद्वानों और पाठको के लिए भी उपयोगी है जिन्हें देश की जनजातीय संस्कृति से विशेष लगाव है। रचना की महत्ता और उपयोगिता के दृष्टिकोण से शैक्षणिक संस्थाओं,वाचनालयों और पुस्तकालयों के लिए यह एक अमूल्य धरोहर है। मैं लेखिका डा.नम्रता कुमारी के इस विचार से सहमत हू कि यह पुस्तक थारू जनजाति की कला निधि और संस्कृति के संवर्धन की दिशा में एक ठोस कदम है।

**(इतिहासकार डा.डी एन वर्मा, स्टडी एंड रिसर्च सेंटर,चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली, रामपुरहाट- 731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल के संस्थापक निदेशक हैं।)**

# दसवीं की परीक्षा में परीक्षार्थी ने चोरी करने की टिप्स की वीडियो बनाकर किया वायरल

**झारखंड देखो/प्रतिनिधि।**

**मधुपुर।** झारखंड अधिविध परिषद द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा शहर के विभिन्न केंद्रों पर कदाचार मुक्त ढंग से संचालित की जा रही है।शहर के मधुपुर महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर एसडीओ आशीष अग्रवाल परीक्षा का निरीक्षण किये। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कमरों में जाकर बारी बारी से संचालित परीक्षा का अवलोकन किया। बता दे मधुपुर महाविद्यालय केंद्र पर कुल 479 परीक्षार्थी में 19 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे ।जबकि 460 परीक्षार्थी उपस्थित थे ।शनिवार को गणित विषय की परीक्षा ली गई । मधुपुर महाविद्यालय केंद्र पर परीक्षा के दौरान एक अजीबोगरीब घटना हुई।परीक्षा केंद्र के हॉल नंबर 8 में एक परीक्षार्थी ऐसा था जो चोरी करने के विभिन्न टिप्स का वीडियो बनाकर 1 दिन पहले वायरल किया था। इस वीडियो में उसके द्वारा वे सारे टिप्स बताए गए थे कि कैसे चोरी करनी है?

## उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक

# अवैध खनन, अवैध परिवहन, अवैध भंडारण पर रोक लगाने का दिया निर्देश : उपायुक्त

**झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि।**

**पाकुड़।** शनिवार को जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक उपायुक्त वरुण रंजन व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। उपायुक्त वरुण रंजन ने अवैध कोयला, अवैध पत्थर, अवैध बालू उठाव, अवैध खनन, अवैध भंडारण के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की बिन्दुवार समीक्षा करतें हुए जिला खनन पदाधिकारी द्वारा की गयी कार्रवाई का ब्यौरा लिया। साथ ही जिला खनन पदाधिकारी को अवैध खनन करने वालो पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त कर्मियों को सख्त निर्देश दिया जाए कि कोई भी अवैध माइनिंग, परिवहन हुआ तो प्रतिनियुक्त कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने जिला खनन टास्क फोर्स के पदाधिकारी व सदस्यों को क्षेत्रों का भ्रमण कर औचक निरीक्षण करने को कहा। अवैध खनन व परिवहन कार्य में कोई भी लोग संलिप्त पाए जाते हैं तो उसके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उपायुक्त ने कहा कि जो लोग अवैध रूप से चेकपोस्ट पर गाड़ी पास करा रहे हैं, उनलोगों पर भी सख्त कार्रवाई करें। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक दिन विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण के साथ छापेमारी अभियान चलाएं।

- **बैठक के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को दिया टीम भावना के साथ कार्य करने का निर्देशः**

बैठक के दौरान उपायुक्त वरूण रंजन ने अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं सभी थाना प्रभारी को निदेशित किया कि सभी आपसी समन्व्य स्थापित कर अवैध खनन, गाड़ियों द्वारा अवैध ढुलाई पर अंकुश लगाने हेतु टीम वर्क के रूप में कार्य करें, ताकि त्वरित व उचित धाराओं के साथ कानूनी कार्रवाई की जा सके। इस बैठक में अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार गर्ग, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, महेशपुर एसडीपीओ नवनीत हेंब्रम, जिला खनन पदाधिकारी प्रदीप साह, माइनिंग इंस्पेक्टर पिन्टु कुमार, अंचलाधिकारी पाकुड़, महेशपुर, हिरणपुर, पाकुड़िया, सभी थाना प्रभारी एवं सभी कोल कंपनी के प्रतिनिधि, जिला जनसंपर्क से भूषण कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

# राहुल गांधी की संसद की सदस्यता समाप्त करना लोकतंत्र का काला दिन : शबाना खातून

**झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि।**

**देवघर।** झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस सचिव शबाना खातून ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजपा सरकार पर जमकर बरसी।उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द किए जाना लोकतंत्र का काला दिन है।अडाणी के खिलाफ बोलने से रोकने के लिए राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त की गयी है।यह सरकार पूरी तरह तानाशाही कर रही है और अब तानाशाही की अंत की शुरुआत हो चुकी है।देश की जनता का पैसा लूटने वाले भगोड़े, चोर को चोर कहना अपराध हो गया और उनके खिलाफ आवाज उठाने वाले को सजा मिल रही है। भाजपा सरकार परोक्ष रूप से आपातकाल लगा रही है।राहुल गांधी की सदस्यता पर जेपीसी का गठन करने की जगह आनन-फानन में लोकसभा सचिवालय द्वारा अधिसूचना जारी कर इस मामले में हाइपर एक्टिव डिसीजन लिया गया। इस फैसले से जनता के लिए लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ने वाला का मुंह बंद करने का काम किया गया हैं। मोदी सरकार विपक्ष के खिलाफ ईडी- सीबीआई का लगातार दुरुपयोग कर रहा है।

राहुल गांधी सदस्यता रद्द को लेकर पूरे देश के विपक्षी दल राहुल गांधी के समर्थन में आए हैं। देश की जनता राहुल गांधी के साथ खड़ी है। गांधी ना कभी डरा था और ना कभी डरेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ता न्यायालय का सम्मान करते हैं. सभी कार्यकर्ता राहुल गांधी के साथ मिल कर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष को तैयार हैं।

# नहाय खाय के साथ चैती छठ की हुई शुरुआत

- **रामनौमी की भी तैयारी है जोरों पर**

**झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** देवघर-शनिवार को नहाए खाए के साथ चार दिवसीय चैती छठ महापर्व की शुरुआत हो गई है इसको लेकर व्रतीयों ने नियम पूर्वक साफ सफाई के साथ इस पर्व की शुरुवात की।वहीं इसको लेकर जिन जिन मुहल्लों में यह छठ हो रहा है ऊक्त मुहल्ले के लोग भी नियम पूर्वक रह रहें हैं और भगवान भाष्कर से सभी लोगों की काया को स्वस्थ और दुख दूर करनें की आराधना भी कर रहें हैं।वैसे तो अभी चैती दुर्गा पूजा भी चल रहा है और आज चौथा दिन भी है।इसको लेकर बाजारों में भी थोड़ी रौनक देखी जा रही है लोग पूर्व से ही खरीददारी कर पर्व की तैयारी में जुटे हुए थे और आगे भी यह क्रम पर्व के सम्पन्न होने तक जारी रहेगा।बताते चलें कि आगामी 29 मार्च को रामनौमी भी है इसको लेकर भी शहर के बाजारों में राम ध्वज दिखना शुरू हो गया है और इसी क्रम में सभी हनुमान मंदिरों की साफ सफाई और रंग रौ×गन का कार्य भी युद्ध स्तर पर चल रहा है।बहरहाल शनिवार को चैती छठ करनें वाली व्रतियों नें नियम पूर्वक भगवान का भोग कद्दू भात आदि खुद बनाकर प्रसाद ग्रहण किया और अन्य लोग भी पर्व के घरों में पहुंचकर प्रसाद प्राप्त किया।

# विधायक ने किया कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र का दौरा, कई कार्यक्रमों में हुए सामिल

**ईचागढ़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि।** सरायकेला खरसावां जिला के कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र का शनिवार को स्थानीय विधायक सविता महतो ने तुफानी दौरा किया । विधायक ने क्षेत्र दौरा के क्रम में स्वास्थ्य मेला, तिरूलडीह में नव परायण महायज्ञ ,कुकड़ु में हरी नाम संकिर्तन बुरूडीह में नव परायण महायज्ञ में भी सामिल हुए। वहीं उन्होंने तिरूलडीह, बुरूडीह ,सिरकाडीह आदि कई गांवों में ग्रामीणों के साथ बैठकर क्षेत्र के समस्याओं से भी अवगत हुए। विधायक ने अपने कार्यकाल में किए जा रहे विकास कार्यों का भी ग्रामीणों को जानकारी दिया। उन्होंने तिरूलडीह में नव परायण महायज्ञ में महिलाओं के साथ जमीन पर बैठकर महायज्ञ में राम चरित मानस पाठ का रसास्वादन किया। मालूम हो कि तिरूलडीह में नव परायण महायज्ञ का आयोजन किया गया है। आज आठवें दिन विधायक उपस्थित होकर भगवान से क्षेत्र की बरकत व तरक्की का कामना किया। विधायक सविता महतो ने कहा कि आज क्षेत्र दौरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र दौरा के दौरान कई कार्यक्रमों में भी भाग लिया और लोगों से भी मिलकर समस्याओं से अवगत हुए। मौके पर झामुमो केन्द्रीय सदस्य काबलु महतो, 20 सुत्री अध्यक्ष शक्ति पद महतो, शमशेर अली आदि उपस्थित थे।

# अमानुष बनाती इड की पाशविक प्रवृत्तियों पर नियंत्रण जरूरी

**डॉ विनोद कुमार शर्मा**
असिस्टेंट प्रोफेसर
विभागाध्यक्ष
स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग
सिकामु विवि, दुमका.

**झारखण्ड देखो डेस्क।** मन के गत्यात्मक पहलू का एक हिस्सा इड वह भाग है जो 'आनंद के सिद्धांत ' पर काम करता है. इस सिद्धांत पर चलकर इड मनुष्यों से लेकर पशुओं तक उनकी इच्छाओं की पूर्ति का माध्यम बनता है. यूँ कहे कि प्राणी विशेष की इच्छायें तमाम जन्म लेकर न केवल चेतना में आती है, ठहरती है, यौवन रूप लेती है, उत्तेजित होती है व लोगों को बेचैन करती है बल्कि मौका उपयुक्त मिलते ही मानकों का उल्लंघन कर जाती है. मर्यादाओं का तनिक - भी ख्याल किए बैगेर व अंजामों से बेखबर होकर इड इच्छापूर्ति के लिए बाध्य करता है. यूँ कहे कि व्यक्ति के यथार्थ को वश में कर व नैतिकता को पंगु साबित कर इड अपनी मनमर्जी पर उतर जाता है. जबरदस्ती का अशोभनीय व्यवहार करने को आमदा हो जाता है. यानि इड व्यक्ति के भीतर की वैसी पाशविक प्रवृत्तियाँ है जो दूसरों की इच्छाओं, चाहतों व भावनाओं का ख्याल न कर, सुधि न रख, चिंता न कर अपनी स्वार्थ सिद्धि की पूर्ति की जिद में रत दिखता है. शायद यही कारण है कि लोग आज न केवल एक दूसरे के प्रति विश्वास खो रहे है, दुश्मन बन चल रहे है, धोखेबाजी का काम कर रहे है बल्कि आपसी तनाव , असहयोग व असुरक्षा का माहौल भी निर्माण कर चल रहे है. आज जीवन का शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र होगा जो इड के दुष्प्रभाव से वंचित या अछूता होगा. जानवरों में तो इड उसके जैविक आवश्यकताओं अर्थात भोजन करने व सेक्स पूर्ति की इच्छाओं तक ही सीमित है जहाँ वो समय व परिस्थिति का जरा भी ख्याल न कर अपने जरूरत का व्यवहार कर डालता है जिसे अज्ञान व विवेकहीन समझ कर इग्नोर कर दिया जाता है. यूँ कहे ऐसे व्यवहारों से लोग पूर्णतः अनुबंधित हो चले. ऐसे चिंतन व आदतों के सांचे में ढल चुके है. मगर इंसान जिसे भगवान सभी जीवों में श्रेष्ठ प्राणी का दर्जा दिया है वो मतलब से संबंध जोड़ने व अचेतन इरादें पूरे करने के सिवाय कोई निःस्वार्थ व्यवहार करता हो. ऐसा नही लगता है. जिस इड को सामाजिक व नैतिक मानकों के नियंत्रण में रहकर आचरण करना चाहिए. वैसे संस्कारों के साँचे में ढलकर चलना चाहिए वो आज बेलगाम होता दिखता है. इड का जहाँ - जहाँ से भय होना चाहिए वो वहाँ- वहाँ वायरस बन लोगों के दिलोदिमाग को अशांत, अस्थिर व मतलबी स्वभाव का बना दिया है. मानों सभी को अपना सगा संबंधी बना लिया हो जहाँ अपराध करते हुए न तो शर्म आता है, न संकोच और न किसी बात का भय मात्र भी.

आज घर- परिवार हो या धार्मिक, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक, प्रशासनिक, कानून, आदि का क्षेत्र या जीवन का कोई अन्य क्षेत्र क्यों न हो इड मौका मिलते ही अपना रंग दिखला ही देता है. यानि अमानवीय व्यवहार कर ही डालता है. भावनाओं को चोट पहुंचा ही देता है. दैनिक जीवन की भूलें चाहें लिखने की हो, बोलने की हो, छपाई संबंधित हो या पहचानने संबंधित गलतियाँ सभी इड की मर्जी से ही होती है जहाँ पकड़े जाने पर या विरोध किये जाने पर लोग छमा याचना करते है या फिर जुर्माना भरते है या अन्य कानूनी सजा के हकदार बनते है.

यह दुर्भाग्य की बात ही है कि जिस असुरी व अमानुषी प्रवृत्तियों को मानवीय हितों के वास्ते नियंत्रण में होना चाहिए आज चहुँ ओर गिरफ्त से बाहर दिखता है. बिडंबना यह भी ऐसे दुराचारी प्रवृत्तियों का साथ देने वाले अनेकों पाशविक प्रवृत्तियाँ लाइन में खड़ा है. जिस बात को मतलब से विषय को हवा देती है. अखबारों की खबरें हो या हेड लाइन सभी इड की मर्जी से होती है क्योकि कि इड का संपोषण उसी अंदाज में जो हो रहा होता है. शिक्षा के क्षेत्र में कहे तो कुछ हद तक पास व पी एच डी की डिग्रियां भी इड के शर्तों पर ही तय होता है. यह विरोधाभास बातें ही है कि एक ओर स्वस्थ्य मानसिक वातावरण के निर्माण की बातें करते है जहाँ लोग यथार्थ के जमीं पर विश्वासों व नैतिकता के साथ एक दूसरे से ईमानदारी पूर्वक व्यवहार करेंगे. सामाजिक समरसता के वातावरण जिंदगी जीयेंगे . वही लोग दूसरी ओर छल- कपट, झूठ, लूट, हत्या, बलात्कार, शोषण, भ्रष्टाचार , घपले, घोटाले, बेईमानी आदि दूर्व्यव्हरों के द्वारा इड का सम्राज्य का विस्तार कर रहे है. कहने को तो लोग कहते है कि 21 वी सदी के विज्ञान व तकनीकी विकास के युग में सभ्य समाज में जी रहे है. क्या यही सभ्य समाज की पहचान है जहाँ लोग डर- डर के कायरों की भाँति लोग जिंदगी जीता हो? स्वार्थ में चूर आपस में लड़ते हो? क्या यही सभ्य समाज का लक्षण है कि वैसे लोगों को सम्मान दो, हाथ जोड़ों जो बेईमानी से अकूत धन इक्कठे किए हो और जो लोगों को व व्यवस्था को चंद सिक्कों की खनक पर नचा रहा हो? युवाओं को गुमराह कर रहा हो? कमजोरों का शोषण कर रहा हो?

यह दुर्भाग्य ही है कि आज कदम- कदम पर इड की ठोकरे खानी पड़ रही है. इड ने लोगों को इतना स्वार्थी व महत्वाकांक्षी बना दिया है कि लोग भाई- भाई को दुश्मन बना बैठे है. न्याय व तर्क संगत बातों को छोड़ इड के पहेली में उलझ गुनाह कर डालते है. लोग इंसाफ़ बदल डालते है. मुजरिम को छोड़ देते है. क्या पुलिस , क्या जज, क्या नेता आदि सभी लोगों की भावनाओं को सूली चढ़ा, उसकी हत्या कर न केवल अमानुषी प्रवृत्तियों के दुष्प्रभाव को चरितार्थ करते है बल्कि पल में भ्रष्ट तरीके से कमायें अकूत संपत्ति से समाज में बैमनष्य , ईर्ष्या व अपराध जैसी भावना का वातावरण भी निर्मित करते है. हद तो तब हो जाती है जब इड अपने बचाव में तर्क को सामने ला खड़ा कर देता है. यानि डॉक्टर, इंजीनियर, नेता, ठेकेदार , ऑफिस के कर्मचारी आदि लोग इसलिए घूस लेते है ताकि उसकी इच्छाए अधूरी रह जाती है. इतना ही नही ऊपर वाले की इच्छाओं को भी पूरा करना होता है . तो किसी को उतनी आमदनी से घर नही चलता है. परिवार की इच्छा उतने से पूर्ण नही हो पा रही है. इसके लिए इड सच को झूठ तो दो को दो लाख बनाता है. अगर इड की अधूरी इच्छा से किसी स्कूल का छत कमजोर बनता है या, कमजोर सड़के बनती है तो इसमें क्या गलती है? ऐसे ही हरकतें है जहाँ इड मौका पाकर व बिकाऊ व्यवस्था देखकर निडर होकर कहीं करोड़ों का घोटाला कर जाता है, तो कोई करोड़ों रुपये लेकर देश छोड़ भाग जाता है, तो कोई मौका पाकर किसी का घर लूट ले जाता है तो कहीं किसी के बहू- बेटी की इज्जत लूट जाती है. आखिर इस अमानुषि प्रवृत्तियों को लगाम कब लगेगा? कब शुक्राचारी प्रवृत्तियाँ सुपर इगो (जो नैतिकता के सिद्धांत पर काम करता है) के नियंत्रण होगा? क्या समाजीकरण के दौरान ऐसे भावनाओं को जागृत की आवश्यकता नही है? क्या आत्म मंथन कर बेहतर सामाजिक वातावरण निर्माण की जरूरत नही है? क्या लोग इसी तरह भय, आशांति व असुरक्षा के माहौल में जीते रहेंगे? मरते रहेंगे? आत्महत्या करते रहेंगे? ऐसे अनेकों सवाल होंगे जिनपर विचार करने की जरूरत है. अमानुषी प्रवृत्तियों को वश में कर इंसानी भावना को मन में पनाह देने की आवश्यकता है. औरों की भावनाओं को सम्मान देकर जीवन जीने की होनी चाहिए. तभी देश व समाज का सही मायने में कल्याण होगा और भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र बनेगा.

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

टिप्स

## ऑयली त्वचा यदि है तो

- जेल क्लींजर लगाएं। दिन में दो बार चेहरा अवश्य धोएं, लेकिन बार-बार नहीं।
- टोनर केवल एल्कोहल रहित ही लगाएं। क्लींजर के बाद इसका इस्तेमाल करें।
- सनस्क्रीन से परहेज ना करें, चाहे त्वचा किसी भी प्रकार की हो।
- हमेशा ऑयलफ्री मेकअप ही इस्तेमाल करें। चेहरे पर फाउंडेशन लगाने के बाद पाउडर जरूर लगाएं।
- दिन में मेकअपयुक्त चेहरे पर हमेशा ब्लॉटिंग पेपर ही इस्तेमाल करें।
- सप्ताह में दो बार मुलतानी मिट्टी का लेप लगाएं।
- मेकअप के लिए पेंसिल आधारित उत्पाद अधिक इस्मेमाल करें। खुश्क त्वचा यदि है तो बहुत अधिक गरम पानी का इस्तेमाल ना करें। गरम पानी त्वचा में और अधिक खुश्की पैदा करता है।

# फायदेमंद है माँ का नवजात को स्पर्श

माँ और नवजात शिशु के बीच बेहतर तालमेल बैठे, इसके लिए वैज्ञानिकों ने कुछ नई चीजों का पता लगाया है। उनके मुताबिक, बच्चा जैसे ही पैदा हो, उसे तुरंत माँ अपने नंगे जिस्म से चिपका ले और एक घंटे तक बिना किसी कपड़े के माँ शिशु को अपने बदन से चिपकाए रखें। इस सुनहरे घंटे की वजह से माँ-बच्चे में बेहतर तालमेल बैठेगा। बच्चा शांत स्वभाव का हो जाएगा। उसमें इंफेक्शन के प्रति प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ जाएगी। इस सबके साथ स्तनपान की शुरुआत अच्छे ढंग से हो जाएगी।

जन्म के फौरन बाद इस सुनहरे घंटे के बारे में यह राय डॉक्टर और वैज्ञानिक मैरी प्राइस की है। वे सेलफोर्ड विश्वविद्यालय में मिडवाइफरी की लेक्चरर हैं। अक्सर ऐसा होता हैं कि जैसे ही बच्चा पैदा होता है, खासकर सीजेरियन सेक्शन के बाहर, अस्पताल का स्टाफ बच्चे को अलग ले जाता है। लेकिन डॉ. प्राइस का कहना है कि माँ को इसका विरोध करना चाहिए।

वे कहती हैं, 'हालांकि यह आम चलन है कि माँ और बच्चे को त्वचा से त्वचा का साथ दस मिनट तक के लिए दिया जाता है, लेकिन यह बॉण्डिंग प्रक्रिया शुरू करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। मैं यह चाहती हूं कि दाई यह जान ले कि त्वचा से त्वचा का साथ माँ-बच्चे में कम से कम एक घंटा का रहने के बहुत फायदे हैं।'

यह सही है कि बच्चे के पैदा होते ही उसकी

स्थिति की तुरंत समीक्षा आवश्यक है, लेकिन एक अनुभवी दाई तो यह काम बिना बच्चे को माँ से अलग किए हुए, सिर्फ उसे देखकर ही कर सकती है। डॉ. प्राइस के अनुसार, 'मैंने वह स्थितियां देखी हैं, जहां बच्चे को सांस संबंधी मदद की आवश्यकता होती है। लेकिन जैसे ही बच्चा माँ की बाहों में लौटता है, तो उसकी अति चिंतित लुक खत्म हो जाती है और वह गुलाब की तरह खिल उठता है।'

प्राइस ने बताया, 'बच्चों में खाना प्राप्त करने की प्राचीन इच्छा होती है और वह फौरन माँ के स्तन की ओर अपना मुंह करते हैं। जन्म के पहले घंटे के दौरान बच्चे की भावनाएं भी विकसित होती हैं, इसलिए उसे साफ करने की जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए।' अधिक समय तक के लिए त्वचा-संपर्क के अनेक फायदे हैं।

- बिना टूटे त्वचा-से-त्वचा संपर्क शिशु में जन्म के बाद एड्रिनालीन स्तर को कम कर देता है और हृदय दर सेटल होने की शुरुआत से रंग भी बेहतर होने लगता है।
- बच्चा मिनटों में रोना बंद कर देगा और माँ का तापमान बच्चे को गर्म रखेगा। बच्चे को आराम और गर्माहट मिलेगी।
- माँ की त्वचा के बैक्टीरिया बच्चे की त्वचा को ढक लेंगे और उसे सुरक्षा प्रदान करेंगे।
- बच्चों में जन्म के समय सूंघने की अद्भुत क्षमता होती है। यह प्राचीन तत्व है और इसलिए वे फूड की महक की ओर जाने लगते हैं।

*" जो माँएं स्तनपान की जगह बोतल से दूध पिलाने का विकल्प चुनती हैं, उन्हें भी त्वचा-से-त्वचा संपर्क के यही फायदे हासिल होंगे। उनके अनुसार दोनों, माँ व बच्चा,बर्थ हारमोन से प्रभावित होते हैं, जो उन्हें आनन्दमय अवस्था में ले जाता है। जन्म के बाद बच्चे को माँ तक ले जाने के बाद उसे सिर्फ गर्म कम्बल या तौलिए से ढंक देना चाहिए और फिर उसे माँ के संपर्क में छोड़ देना चाहिए। इस व्यस्त संसार में हम एक अनुभव के बाद दूसरा अनुभव करने में जल्दबाजी करते हैं, लेकिन जन्म पर माँ और बच्चे को एक-दूसरे को समझना चाहिए और बच्चे को सेटल होने के लिए समय दिया जाना चाहिए। "*

टिप्स

## शुष्क बाल : समाधान

- तीन चम्मच मेथी पाऊडर में दही मिला कर बालों में लगभग ४५ मिनट तक लगाएं तत्पश्चात हल्के कुन-कुने पानी से बालों को धो लें।
- अंडे की जर्दी को बालों में लगाना भी शुष्क बालों के लिए सप्ताह में दो बार सरसों के तेल की मसाज भी बहुत उपयोगी है।
- शुष्क बालों के लिए सप्ताह में दो बार सरसों के तेल की मसाज भी बहुत उपयोगी है।
- नारियल या जैतून के तेल की मसाज भी शुष्क बालों की समस्या का समाधान करती है।
- प्रोटीन कंडीशनर का प्रयोग भी शुष्क बालों के लिए बहुत उपयोगी है। बालों की प्रकृति के अनुसार शैम्पू का प्रयोग करें।
- रासायनिक लोशनों व डाई का प्रयोग कम करें। बालों को धूल-मिट्टी से बचा कर रखें। बालों को ढंक कर रखें, उन्हें खुला न छोड़ें।
- बालों में शैम्पू का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करें।

# आरामदायक पोशाक ईवनिंग गाउन

मौका खास हो तो स्टाइलिश पहनावे की बात ही कुछ और होती है। एक से बढ़कर एक खूबसूरत गाउन किसी भी मौके की खूबसूरती को कुछ ज्यादा ही बढ़ा देते हैं। फैशन के इस दौर में बाजार में हजारों किस्म के और हर फेब्रिक से बने गाउन मिल रहे हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और सुविधा के अनुसार खरीद सकती हैं।

ईवनिंग गाउन को पहनने से जो आराम मिलता है उसका अंदाजा लगा पाना आसान नहीं। गाउन वह आरामदायक पोशाक है जिसे किसी भी मौसम में पहना जा सकता है। हर तरह के मटेरियल से बने गाउन देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। आजकल मॉडल से लेकर आम लड़कियां भी इसे शौक से अपना रही हैं। गाउन पहनने के लिए रंगों का चुनाव मौसम के अनुसार किया जा सकता है। जैसे सर्दी के समय गहरे रंग के गाउन को अपनाएं और गर्मी में हल्के रंग के गाउन आपको ज्यादा आराम का अहसास कराएंगे। गर्मियों के लिए पेस्टल कलर का चुनाव आपके लिए उपयुक्त होगा। यदि आप किसी विशेष प्रकार का गाउन चाहती हैं तो आप उसे टेलर्स से सिलवा भी सकती हैं। इनको कलर वाश करके रंग-बिरंगे कढ़ाई के धागों, मोती, आदि के वर्क से सजाया जा सकता है। यह आजकल लेटेस्ट ट्रेंड है। अपने पहनावें में थोड़ा बदलाव लाने का इससे अच्छा तरीका और क्या होगा?

# रसोईघर - कुछ जरूरी टिप्स

रसोई में कार्य करते समय अक्सर महिलाओं के सामने यह परेशानी आ जाती है कि वे किस प्रकार अपने कार्य को आसानी से व सफाई के साथ पूरा कर सकें। अगर वे इन कुछ बातों का ध्यान रखें तो अवश्य ही अपने कार्य को सरलता से कर सकती है।

- नींबू जिस मौसम में सस्ते मिलें, उस दौरान नींबू का रस शीशी में भर कर रख लें। जब भी आप पनीर बनाना चाहें तो उबलते दूध में नींबू का रस डाल दें। दूध फट जाएगा। किसी पतले साफ कपड़े में फटा दूध डालकर लटका दें। जब पानी निकलना बंद हो जाए, तब उसे नीचे उतार कर किसी भारी बर्तन से दबा दें। पनीर तैयार हो जाएगा। पनीर के पानी का प्रयोग आटा गूंथने के लिए करें। इससे सारे पौष्टिक तत्व आपके भोजन में ही बने रहेंगे।
- मूंगफली का छिलका आसानी से नहीं निकलता। इसके लिए मूंगफली को कड़ाही में डालकर गर्म कर लें और नीचे उतारकर हाथ से रगड़ दें। छिलका आसानी से उतरेगा।
- अरबी छीलने से हाथों में खुजली हो जाती है। कपड़े में अरबी बांधकर कपड़ा मसलें। छिलका आसानी से अपने आप उतर जाएगा। थोड़ा-बहुत छिलका रह जाएगा। उसके लिए हाथों पर तेल लगाकर अरबी को छील कर साफ कर दें।
- उबालते समय अण्डे के टूटने का डर रहता है। नमक के पानी में अंडे उबालें, वे टूटेंगे नहीं।
- मक्का के आटे की रोटी बनाने के लिए उसमें गेहूं का आटा मिला दें। गुनगुने पानी से गूंथ लें। रोटियां आसानी से बनाई जा सकती हैं।
- तेल में तली चीज पीली दिखाई दे, उसके लिए तेल गर्म करते समय नमक डाल दें। तेल का पीला रंग गायब हो जाएगा।
- तवे पर डोसा चिपके नहीं, इसके लिए उस पर प्याज गुलाबी तलें। डोसा तवे पर चिपकेगा नहीं।
- टमाटर का छिलका उतारना हो तो उबलते पानी में टमाटर डुबा कर निकाल लें, छिलका आसानी से उतरेगा। अगर टमाटर का छिलका फिर भी न उतरे तो कांटे से टमाटर पकड़कर आग पर रखें। छिलका आसानी से उतर जाएगा।
- भुने बैंगन का छिलका आसानी से नहीं उतरता। उसके लिए भुने बैंगन को तुरंत ढक कर रख दें। छिलका आसानी से उतरेगा।
- ब्रेड के किनारे का चूरा पकौड़े बनाते समय बेसन के घोल में डाल दें। पकौड़े स्वादिष्ट बनेंगे।
- चावल को पकाते समय उसमें एक चम्मच घी डाल दें। जब चावल पक जाएं, तब उसमें नींबू का रस डालें। चावल खिले हुए व सफेद बनेंगे।
- भिण्डी की सब्जी में तार न खिंचे, इसके लिए उसमें नींबू का रस डाल दें। तार नहीं बनेंगे।

# फैल क्यों होता है गुर्दा?

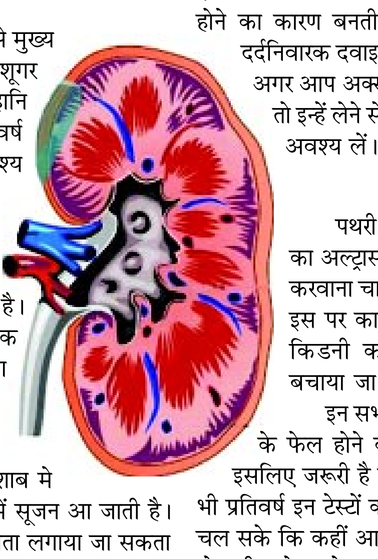

### मधुमेह

भारत में किडनी फेल होने का सबसे मुख्य व पुराना कारण मधुमेह हैं। अगर ब्लडशूगर को नियंत्रित किया जाए, तो किडनी को हानि पहुंचाने से रोकने का निदान है, इसलिए वर्ष में एक बार ब्लड शूगर का टेस्ट अवश्य करवाएं।

### उच्च रक्तचाप

अगर रक्तचाप को नियंत्रण में रखा जाए तो किडनी फेल होने से बच सकती है। स्वस्थ व्यक्ति को कम से कम वर्ष में एक बार रक्तचाप अवश्य चेक करवा लेना चाहिए।

### नेफराइटिस

कई बार गुर्दे के खराब होने से पेशाब मे प्रोटीन इकट्ठी हो जाती है व पूरे शरीर में सूजन आ जाती है। नियमित रूप से पेशाब के समस्या का पता लगाया जा सकता है।

### दवाएं

अक्सर दर्दनिवारक औषधियां भी किडनी के क्षतिग्रस्त होने का कारण बनती है। अत: यथासंभव होने का कारण बनती हैं। अत: यथासंभव दर्दनिवारक दवाइयां लेने से परहेज करें। अगर आप अक्सर ऐसी दवाएं लेते हैं, तो इन्हें लेने से पूर्व डाक्टर का सलाह अवश्य लें।

### पथरी

पथरी का पता लगाने हेतु गुर्दे का अल्ट्रासाउंड व पेट का एक्सरे करवाना चाहिए, ताकि समय रहते इस पर काबू पाया जा सके और किडनी को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके।

इन सभी बीमारियों से किडनी के फेल होने की संभावना होती है, इसलिए जरूरी है कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी प्रतिवर्ष इन टेस्टों को करवाए, ताकि पता चल सके कि कहीं आपको भी ऐसी समस्या तो नही, जो आगे चलकर किडनी के फेल होने का कारण बने। अत: सचेत रहकर इस पर ध्यान अवश्य दें व किडनी को फेल होने से बचाएं।

# हेल्थ प्लस

## कब्ज मिटाए अदरक चाय

**कब्ज व बदहजमी के मरीजों के लिए अदरक की चाय फायदेमंद है।**

अदरक की चाय से कब्ज और बदहजमी के मरीजों को काफी लाभ होता है, साथ ही जी मिचलाना और लगे की तकलीफ से भी मुक्ति मिलती है। अदरक की चाय आपको तेज बुखार और फ्लू से राहत देगी। विशेषज्ञों के अनुसार चाय कोई भी हो, कैंसर प्रतिरोधक होती है।

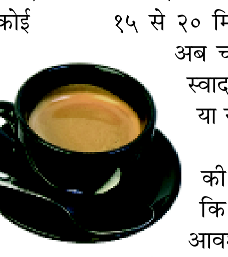

**अदरक की चाय बनाने की विधि :**

- ४ कप पानी।
- स्वाद के लिए शहद और नीबू का प्रयोग भी कर सकते हैं।

सबसे पहले अदरक का छिलका उंचार लें और थोड़ी मोटी फांक काट लें। चाय के बर्तन में पानी गर्म करें। एक बार जब पानी अच्छी तरह गर्म हो जाए, तो उसमें अदरक की कटी हुई फांकें डाल दें। बर्तन को ढंक दें और १५ से २० मिनट तक उबालें। अब चाय को छान लें। स्वाद के अनुसार शहद या नीबू डाल लें।

**नोट :** इस बात की विशेष ध्यान रखें कि शहद या नीबू आवश्यक निर्देश नहीं है। यह सिर्फ आपके स्वाद के लिए है।

# कैंसर का गोमूत्र से उपचार

कैंसर उम्र दराज लोगों को ही होता था, पर अब यह युवाओं को भी होने लगा है। गोमूत्र के प्रयोग से कैंसर में कमी लायी जा सकती है।

अंसर ने अपना रूद्र रूप धारण कर लिया है। हर देश व दुनिया में इससे हजारों लोग शिकार बन रहे है। पहले तो कैंसर उम्र दराज लोगों को ही होता था, पर अब यह युवाओं को भी होने लगा है। इसके मुख्य कारण जीवनशैली एवं वातावरण में आ रहे बदलाव ही है।

यह रोग मुख्य रूप से तम्बाकू के सेवन से ज्यादा होता है। इसके साथ ही एक भयावह सच और सामने आया है कि तम्बाकू के इस्तेमाल में हुई कमी के कारण कैंसर फैलने की रफ्तार तो कम हुई है, लेकिन दुर्भाग्य कि उसकी जगह शहरों की जहरीली हवा ने ले ली है।

**कैंसर में गोमूत्र का प्रयोग**

आज विश्व में गोमूत्र का कैंसर में उपयोग हो रहा है तथा उसके परिणाम भी काफी उत्साहजनक सामने आ रहे है। कैंसर चिकित्सा में रेडियो थैरेपी का गोमूत्र में विद्यमान Na, K,Mg,P,S, etc में से कुछ लवण विघटित होकर रेडियो एलिमेंट के समान कार्यकारी हो जाते हैं तथा कैंसर की अनियंत्रित कोशिकाओं की वृद्धि पर तुरंत नियंत्रण करते हैं तथा उन कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने लगते हैं। गोमूत्र ऑपरेशन के बाद बची कैंसर कोशिकाओं को भी नष्ट कर देता है।

**मात्रा एवं सेवन विधि**

पीने के लिए देशी गाय का ताजा गोमूत्र काम में लेना चाहिए।

- गोमूत्र को ८ तह वाले सूती कपड़े से छानकर पीना चाहिए।
- बच्चों को ५-१० ग्राम तथा बड़ो को रोगानुसार १०-३० ग्राम मात्रा में सुबह खाने से पहले और रात को सोते समय लेना चाहिए।

## अल्जीमर्स की रोकथाम हल्दी से

हल्दी में पाए जाने वाले कर्क्यूमिन नामक तत्त्व दिमागी बीमारी अल्जीमर्स की रोकथाम में काफी असरदार साबित हुआ है। कर्क्यूमिन कैंसर की रोकथाम और उपचार में भी प्रयोग किया जाता है। अब वैज्ञानिक कर्क्यूमिन से सिस्टिक फाइब्रोसिस के इलाज की संभावनाओं का पता लगाने में जुटे हैं। यह एक वंशानुगत बीमारी है, जिसमें मरीज के गले, नाक और आंत आदि में म्यूकस आने लगता है।

फेफड़ों में क्रोनिक इंफेक्शन हो सकता है तथा शरीर भोजन में से फैट और दूसरे पौष्टिक तत्त्वों को अवशोषित नहीं कर पाता। अत: भारतीय मसालों की जान हल्दी को अपनी डाइट में अवश्य शामिल करिए। यह एंटीसेप्टिक, दर्द निवारक और एंटी इंफ्लीमेटरी भी है।

# डाइटिंग में पानी

डाइटिंग करने वाले लोगों को डाक्टर हमेशा अधिक पानी पीने की सलाह देते हैं। इसका कारण यह है कि पानी हमेशा शरीर को परिपूर्ण रखता है। यदि आपको भूख लग रही है, उस समय आप एक गिलास पानी पी लीलिए या खाने के पंद्रह मिनट पहले एक गिलास पानी पी लीजिए, तो इसका प्रभाव आपकी भूख पर पड़ेगा। आपकी भूख कुछ समय के लिए कम हो जाएगी।

बहुत से डाक्टर डाइटिंग में ताजे फल, पत्तियों वाली सब्जियों और सलाद को अधिक से अधिक मात्रा में शामिल करने की सलाह देते हैं, क्योंकि एक तो इनमें महत्वपूर्ण विटामिंस और मिनरल्स पाए जाते हैं, दूसरे इसमें पानी की मात्रा भी खूब होती है। इसके अलावा इसमें कैलोरी बहुत कं पाई जाती है। जैसे सेब में ८५ प्रतिशत पानी होता है और अंगूर में ९१ प्रतिशत। इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए इस तरह की चीज लेना ज्यादा फायदेमंद होता है।

बिस्कुट या चाकलेट जैसी चीजों में पानी की मात्रा बिल्कुल नहीं होती है। एक सामान्य आकार के सेब में ४० कैलोरी होती है, जबकि एक छोटे से चाकलेट जैसी चीजों में पानी की मात्रा बिल्कुल नहीं होती। एक सामान्य आकार के सेब में ४० कैलोरी होती है, जबकि एक सेब एक चाकलेट की अपेक्षा ज्यादा देर तक खाया जा सकता है। यह आकार में बड़ा होता

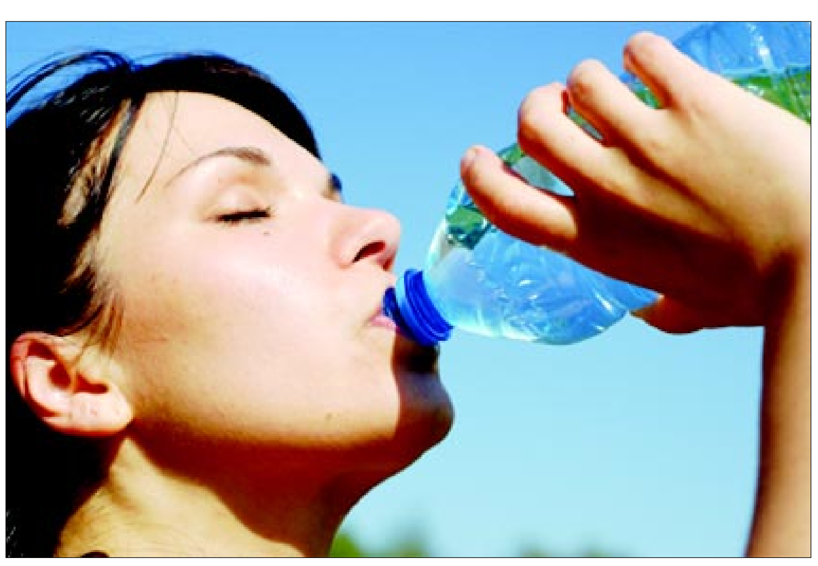

है औड़ ज्यादा पेट भरने वाला होता है। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि आलू में भी ८० प्रतिशत पानी पाया जाता है। मगर जब हम इसे घी या तेल में तलते या पकाते हैं, तब इसमें पानी की मात्रा कम हो जाती है और कैलोरी बढ़ जाती है। इसी तरह से कच्चे मीट में भी ७५ प्रतिशत पानी पाया जाता है। मगर पकने के बाद इसमें सिर्फ ५० प्रतिशत पानी ही रह जाता है। पतले मीट में पानी की मात्रा मोटे मीट की अपेक्षा अधिक होती है। अगर आप अपने भोजन में कैलोरी पर नियंत्रण करने की कोशिश करे रहे हैं, तो अधिक पानीयुक्त भोजन पर ध्यान दीजिए। देखा जाए तो हम लोग प्रतिदिन बिस्कुट, ब्रेड जैसी चीजों से जितनी ज्यादा कैलोरी ग्रहण करते हैं उतनी फल, सब्जियों जैसी चीजों से नहीं ले पाते।

यह भी सच है कि सिर्फ पानी पीकर जिंदा नहीं रहा जा सकता। केवल पानी से भरपूर खाद्य-पदार्थों के आधार पर भी स्वस्थ नहीं रहा जा सकता। एक शारीरिक श्रम करने वाले इंसान को पर्याप्त पोषक तत्व और विटामिन की आवश्यकता पड़ती है। डाक्टर का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति के भोजन में प्रोटीन, थोड़ी-सी वसा और कार्बोहाइड्रेट जरूर शामिल होनी चाहिए। तंतुओं की क्षतिपूर्ति के लिए प्रोटीन आवश्यक होता है। इसके अतिरिक्त शारीरिक विकास के लिए भी प्रोटीन की बहुत ज्यादा जरूरत पड़ती है। इसी तरह से शक्ति के लिए शरीर को वसा की जरूरत पड़ती है।

शरीर को सबसे ज्यादा ताकत कार्बोहाइड्रेच से मिलती है। यह चीनी और मांडदार चीजों में पाया जाता है। फलों से जो स्वाभाविक चीनी हमें मिलती हैं, उससे कार्बोहाइड्रेट की कमी आसानी से पूरी की जा सकती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि फलों से प्राप्त चीनी हमें नुकसान भी नहीं पहुंचाती।

पानी एक ऐसा पदार्थ है जो कितना भी पी लीजिए नुकसान नहीं करता, बल्कि लाभ ही पहुंचाता है। मगर समस्या यह है कि हममे से अधिकतर लोग बहुत ज्यादा पानी नहीं पी सकते। ऐसी हालत में यदि पानीयुक्त चीजों का अधिक प्रयोग किया जाए तो वह डाइटिंग करने वाले लोगों के लिए भी और सामान्य लोगों के लिए भी लाभदायक सिद्ध होगा।

## सिरदर्द भगाने के घरेलू उपाय

दो छोटी इलायची,एक बड़ी इलायची,आधा ग्राम कपूर का गुलाब जल में लेप बनाकर सिर पर लगाने से सिरदर्द में तुरंत लाभ होगा।

पांच ग्राम गाय का घी गर्म कर इसमें एक ग्राम देशी चीनी डालें साथ ही एक रत्ती केशर डाल कर घोट लें, इस योग का लेप तथा नस्य असह्य सिरदर्द भी मिटाता है।

नेत्र ज्योति की कमी से सिरदर्द में रोगी को कुछ महीने सप्तामृत लौह आधा-आधा ग्राम, गाय का घी १० ग्राम व शुद्ध शहद ५ ग्राम मिलाकर चटाएं तथा महात्रिफला घृत २-२ चम्मच गाय के मीठे दूध में डालकर पिलाएं तो नेत्र ज्योति में सुधार होगा व सिरदर्द भी मिटेगा।

शिर-शूलाद्रि वज्ररस २-२ गोली सुबह व रात को गाय का घी मिले मीठे दूध से दें। सिर दर्द में गाय का घी, गाय का दूध, पौष्टिक आहार,बादाम चिरोंजी, खोपरा आदि का प्रयोग करना लाभप्रद सिद्ध होता है।

**नोट**- सिरदर्द के रोगी अपने नजदीकी आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श पश्चात ही दवा लें।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

## जिन्ना के देश में दाने-दाने को मोहताज हुई जनता, रमजान में रोजे रखना हुई टेढ़ी खीर

पाकिस्तान आमतौर पर रमजान के महीने के दौरान राहत पैकेज देता है, लेकिन इस साल नकदी की तंगी झेल रही सरकार के पास देने के लिए कोई विकल्प ही नहीं हैं। देश में महंगाई 30 फीसदी से ज्यादा हो गई है।

मुस्लिमों के लिए पवित्र माने जाने वाले रमजान माह की शुरुआत हो चुकी है। लेकिन पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में रोजेदारों के लिए इस बार रमजान में रोजे रखना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। दरअसल, देश में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति के कारण पाकिस्तान की जनता के दिन बेहद बदहाली में गुजर रहे हैं। आलम यह है कि मुफ्त में आटा लेने के लिए भी लोगों की मौत हो जा रही है। लोगों के सामने आटे की किल्लत के साथ ही अब रमजान के महीने में जरूरी खजूर का भी संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में खजूर 3.5 यूरो प्रति किलो तक में बेचे जा रहे हैं। ऐसे में खजूर से रोजा खोलने वालों के सामने बड़ा संकट है। गौरतलब है कि देश में महंगाई इस समय 50 साल में चरम पर है और उसे कहीं से भी राहत की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। देश में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति ने इस साल पाकिस्तानियों को विशेष रूप से मुश्किल में डाल दिया है। देश में बढ़ती महंगाई ने इबादत और लजीज पकवानों के त्योहार पर पानी फेर दिया है। कड़े बजट ने पाकिस्तान के सबसे गरीब लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। बीते सालों से उलट इस बार रमजान के महीने में रोजे रखना कई लोगों के लिए महंगा सौदा साबित हो रहा है। पाकिस्तानी नागरिकों का कहना है कि देश में महंगाई इतनी बढ़ गई है कि पिछले साल देश में 200 रुपए किलो बिकने वाली चीजें अब 500 रुपए किलो हो गई हैं। इतना ही नहीं पेट्रोल, बस का किराया और दूसरे खर्चे भी बेतहाशा बढ़ गए हैं। ऐसे में हम क्या करें कुछ समझ में नहीं आ रहा।

आटे की कीमतों में तेजी से साप्ताहिक मुद्रास्फीति की दर हुई इतनी

जियो न्यूज के मुताबिक, बीते सप्ताह में गेहूं के आटे की सर्वकालिक उच्च कीमत ने पाकिस्तान में साप्ताहिक मुद्रास्फीति को सप्ताह-दर-सप्ताह 1.80 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष 46.65 प्रतिशत बढ़ा दिया। ये आंकड़े देश में और भी कठिन समय के आने की ओर इशारा करते हैं। वहीं, शुक्रवार को पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स (पीबीएस) के आंकड़ों ने संवेदनशील मूल्य संकेतक (एसपीआई) में खासी बढ़ोतरी दर्ज की है।

पीबीएस ने टमाटर के दामों में 71.77 फीसदी, गेहूं के आटे में 42.32 फीसदी, आलू के दामों में 11.47 फीसदी, केले के दामों में 11.07 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इसके साथ ही पीबीएस ने चिकन की कीमतों में 8.14 फीसदी, मिर्च पाउडर के दामों में 2.31फीसदी, छढत्रसिलेंडर के दामों में 1.31 फीसदी, और सरसों का तेल और लहसुन के दामों में 1.19 फीसदी, प्रत्येक, दाल चना और प्याज के दामों में 1.06 फीसदी प्रत्येक, वनस्पति घी की कीमतों में कमी दर्ज की गई है। जियो न्यूज के मुताबिक, समीक्षा किए गए सप्ताह में एसपीआई पिछले सप्ताह पंजीकृत 246.22 अंकों के मुकाबले 250.66 अंक दर्ज किया गया है। वहीं, 24 मार्च 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 170.92 अंक दर्ज किया गया था।

गौरतलब है कि पाकिस्तान आमतौर पर रमजान के महीने के दौरान राहत पैकेज देता है, लेकिन इस साल नकदी की तंगी झेल रही सरकार के पास देने के लिए कोई विकल्प ही नहीं हैं। देश में महंगाई 30 फीसदी से ज्यादा हो गई है। एक पाकिस्तानी नागरिक ने इस पर कहा कि सब कुछ बहुत महंगा हो गया है। ऐसे में सरकार को रमजान को ध्यान में रखते हुए वस्तुओं की कीमतें कम करनी चाहिए। उसने आगे कहा कि अभी तक सरकार ने केवल रियायती कीमतों पर आटे की व्यवस्था की है, और कुछ नहीं। मुझे लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है। सरकार को चीनी, खाना पकाने के तेल और अन्य चीजों की कीमतों पर भी ध्यान देना चाहिए जो रमजान के दौरान खपत होती हैं। सरकार को कुछ सब्सिडी देनी चाहिए।

बता दें कि आर्थिक संकट का सामना कर रहा पाकिस्तान फरवरी की शुरुआत से ही आईएमएफ के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इस समझौते के मुताबिक, आईएमएफ 1.1 बिलियन अमरीकी डॉलर जारी करेगा। यह फंड 2019 में स्वीकृत 6.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बेलआउट पैकेज का हिस्सा है।

# मार्ग-दर्शन

## ढीले वस्त्र दते हैं विश्राम की अनभुति

**क्या** कपड़ों का संबंध केवल फैशन से है या आपके व्यक्तित्व से भी है ? वेश-भूषा को लेकर खूब रिसर्च होती है। ऋषि-मुनियों ने वस्त्रों पर अपने तरीके से काम किया है, क्योंकि कपड़े व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। वस्त्रों से ही कई लोगों की छवि बन जाती है। लोग अपने कार्यस्थल पर सुविधा की दृष्टि से कपड़े पहनते हैं। आजकल जींस तो इस तरह से स्वीकार कर ली गई है, जैसे चुस्त रहने के लिए उसमें अमृतकण बसे हों। सब मानकर चलते हैं कि इसे पहनने के बाद हमारी सक्रियता बढ़ जाती है। हम खुद को फिट समझते हैं। चलिए, कपड़ों को भारतीय ऋषिमुनियो की दृष्टि से देखते हैं। ढीले कपड़े पहनने से मनुष्य भीतर विश्राम की अनुभूति करता है। इसीलिए पूजा-पाठ, ध्यान-योग के समय ढीले कपड़े पहने जाते हैं। भारत में तो स्त्री-पुरुषों का परिधान ढीला ही रहा है। उद्देश्य यही था कि पूरे समय हम भीतर से शांत रहें। अंतरवस्त्र चुस्त इसलिए रखे जाते हैं कि इंद्रियों का नियंत्रण होता है, लेकिन पूरा शरीर वस्त्रों से कसा हुआ न हो, अन्यथा कसी हुई इंद्रियां कसे हुए शरीर के साथ तनाव पैदा करेंगी। आप जितने चुस्त कपड़े पहनेंगे, भीतर से तनावपूर्ण होने की आशंका उतनी ही बढ़ जाएगी। आप आक्रमक होंगे, लेकिन अशांत भी रहेंगे। कसे हुए कपड़ों में हम बाहर की फिटनेस और कंफर्टेबिलिटी तो देखते हैं, लेकिन उसका दूसरा आध्यात्मिक परिणाम है मन का बेचैन होना। इसलिए समयसमय पर वस्त्रों को भी शांति-अशांति से जोड़कर पहने।

# जीने की राह

## अंत में राजा का झूठ पकडा गया

**वेश** बदलकर घूम रहे एक राजा ने चार सहेलियों की बातें सुनी। एक ने कहा, मांस सबसे स्वादिष्ट होता है। दूसरी ने शराब के स्वाद को अनोखा बताया। तीसरी का मत था, प्रेम का स्वाद सबसे अनोखा है। चौथी के लिए झूठ बोलने का स्वाद सर्वोपरि था। राजा ने अगले दिन चारों को दरबार में बुलाया और अपनी बात समझाने को कहा। पहली बोली, 'आदमी के मांस खाते ही कुत्ते हड्डियों पर लपक पड़ते हैं। फिर उन्हें कौए ले जाते हैं। इसके बाद चींटियां आहार बनाती हैं। इसलिए मैंने सोचा कि मांस सबसे स्वादिष्ट होता होगा। दूसरी ने बताया, मैंने एक दिन शराब में गिरते-पड़ते मनुष्यों को देख सोचा कि इतनी बुरी चीज को वे फिर छुएंगे भी नहीं, किंतु वे तो रोज ही पीते हैं। मुझे लगा शराब का स्वाद सबसे अच्छा है।' तीसरी ने कहा, 'मेरे पिता गुस्से में मां पर हाथ उठा देते हैं, किंतु उनके प्रति मां का प्रेम तनिक भी कम नहीं होता। अत: मेरे विचार से प्रेम सर्वोत्कृष्ट है। चौथी बोली, सब लोग झूठ बोलते हैं। आपने न बोला होगा तो एक दिन अवश्य बोलेंगे। इसलिए झूठ का स्वाद सर्वोपरि है।' राजा ने उसे ऐसा सिद्ध करने को कहा। लड़की ने तीन लाख रुपए और छह माह का समय मांगा। उसने आलीशान मकान बनवाया और एक दिन मंत्रियों सहित राजा को आमंत्रित किया। एक कक्ष की ओरइशारा कर उसने कहा, इसमें स्वयं भगवान रहते हैं, किंतु वे पापी को दर्शन नहीं देते। पापी समझे जाने के डर से राजा सहित सभी ने भगवान के दर्शन की बात कही। तब लड़की बोली, महाराज! परमात्मा को कोई कैसे देख सकता है ? आखिर आप भी झूठ बोले। लड़की की बुद्धिमत्ता देख राजाने प्रभावित हो उसे पुरस्कृत किया। असत्य भाषण से बचनाचाहिए अन्यथा बात खुल जाने पर लज्जित होना पड़ता है।

# अमृतपाल को पहले क्यों नहीं रोका गया

**पंजाब** सरकार ने सोमवार को पुलिस के जरिये स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है और भगोड़ा अमृतपाल सिंह उसकी हिरासत में नहीं है। पंजाब सरकार का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ दिन पहले हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट में अमृतपाल को लेकर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल हुई है। जाहिर है, पंजाब सरकार हाईकोर्ट को भी यही कहने जा रही है कि अमृतपाल उसके पास नहीं है। लेकिन अमृतपाल जब भी पकड़ा जाए, उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(एनएसए) लग गया है। अमृतपाल के जिन साथियों को असम जेल भेजा गया है, उन पर भी इसी कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि पंजाब में यह नौबत आई कैसे!

### ऐसे बना अमृतपाल

ऐसा नहीं है कि पंजाब पहली बार ऐसी समस्या से मुखातिब है। जब जरनैल सिंह भिंडरांवाले एक्टिव था तो वहां इससे भी बुरे हालात बन गए थे। तब भिंडरावाले का सफाया तो कर दिया गया, लेकिन उसकी सोच फिर भी बनी रही। उस सोच से जुड़े लोग ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन में आज भी हैं।

-इस सोई हुई विचारधारा ने पिछले साल संगरूर में हुए लोकसभा उपचुनाव में सिर उठाया और खालिस्तान समर्थक सिमरनजीत सिंह मान जीत गए। यह सीट मौजूदा सीएम भगवंत मान ने खाली की थी, जो आम आदमी पार्टी से सांसद थे।

-मान अपने उग्र विचारों के लिए जाने जाते रहे हैं। सीएम की सीट पर उन्हें जो जीत मिली, उससे माना जाने लगा कि जो चिंगारी किसान आंदोलन में दिखी थी, वह डायवर्ट होकर संगरूर में उन्हें जिता गई।

-सिमरनजीत सिंह मान उम्र के उस पड़ाव पर हैं, जिसमें वह किसी अलगाववादी आंदोलन का नेतृत्व नहीं कर सकते। इसकी नेतृत्व के लिए आगे आया अमृतपाल सिंह। उसे दूसरे देशों में बसे खालिस्तानियों की ओर से मदद मिली।

-अमृतपाल ने पंजाब में नशे की लत को पकड़ा, अपना नशा मुक्ति केंद्र खोला। उसने युवाओं को साथ जोड़ा, उनके लिए तरह-तरह के कार्यक्रम कराए। उसकी बातों से युवा भी उसकी तरफ आए।

-उसके प्रभाव में आए युवाओं ने पंजाब में जगह-जगह हरकतें करनी शुरू की। वे सिगरेट पीते या तंबाकू का सेवन करते लोगों को मारते-पीटते। सितंबर में अमृतसर में भी ऐसी एक हृदय विदारक घटना हुई, जिसमें निहंगों ने एक युवक को पीट-पीटकर मार डाला।

-उधर, नशा मुक्ति केंद्रों में अमृतपाल अपनी निजी सेना तैयार करने लगा। पुलिस का दावा है कि वहां वह आनंदपुर टास्क फोर्स बना रहा था। मगर अमृतपाल को पंजाब में कद मिला अजनाला थाने पर किए हमले के बाद।

पंजाब सरकार का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ दिन पहले हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट में अमृतपाल को लेकर एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल हुई है। जाहिर है, पंजाब सरकार हाईकोर्ट को भी यही कहने जा रही है कि अमृतपाल उसके पास नहीं है। लेकिन अमृतपाल जब भी पकड़ा जाए, उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून(एनएसए) लग गया है।

### ध्रुवीकरण का घेरा

अमृतपाल का यह उभार बताता है कि ध्रुवीकरण की राजनीति ने खालिस्तान की विचारधारा को वह जगह दी, जो इसे बहुत दिनों से नहीं मिला था। इस ध्रुवीकरण के पीछे निहंगों की हरकतों की भी बड़ी भूमिका रही है। पहले कहीं कोई निहंग खड़ा होता था तो लोग खुद को सुरक्षित महसूस करते थे। मगर अब उनसे बचकर निकलने लगे हैं। ऐसा नहीं कि निहंगों में नरम खयाल लोग नहीं हैं। लेकिन वे भी खतरे में दिखते हैं। इसी महीने कनाडा से निहंग बनने आए एक युवक को मार दिया गया, क्योंकि वह आनंदपुर में हुड़दंग मचाते निहंगों को रोक रहा था। पिछले कुछ समय में हुई कुछ निहंगों की हरकतों ने विदेशों में रहने वाले खालिस्तान समर्थकों को इस ध्रुवीकरण का मौका दिया। इसके बाद सिमरनजीत सिंह मान की जीत ने उन्हें वह ट्रिगर दिया, जिसे अमृतपाल दबा रहा है।

### कहां रही कसर

सवाल है कि अमृतपाल को इतना उभरने क्यों दिया गया। पंजाब में पब्लिक को छह-आठ महीने पहले से पता था कि राज्य में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। दमदमी टकसाल में जब अमृतपाल को भिंडरांवाले की गद्दी दी जा रही थी, तभी इसका अहसास हो गया था।

-पैंट-शर्ट में दुबई से आया एक युवक जब नीली पगड़ी और सफेद लबादा पहन रहा था, तभी हालात पर नजर रखे लोगों को समझ आ गया था कि क्या होने वाला है। खुफिया एजेंसियों ने भी इस बारे में सरकार को जानकारी दी थी। उसने बताया था कि कैसे उग्र लोगों का दबदबा बढ़ रहा है।

-इस बीच, पंजाब सरकार अलग ही मुश्किलों में उलझी हुई थी। यहां कभी डीजीपी बदले गए तो कभी सेक्रेट्री। अभी भी पंजाब के पास प्रॉपर डीजीपी नहीं है। राज्य में नई सरकार भी बनी थी। उसे हालात को समझने में वक्त लगा और तब तक अमृतपाल वाला मामला बड़ा होता गया।

-इस बीच, पाकिस्तान की ओर से चाइनीज ड्रोन पंजाब की सीमा में ड्रग्स और हथियार गिराने आते रहे।

### पंजाब तय करेगा भविष्य

अब जो हालात हैं, उनमें भी महज एक अमृतपाल के नजरिए से पंजाब को देखना गलत होगा। अजनाला में अमृतपाल ने जिस तरह से गुरु ग्रंथ साहिब को ढाल बनाया, पंजाबियों का एक बड़ा हिस्सा उससे नाराज है। पंजाब में गुरु ग्रंथ साहिब से बड़ा और कुछ नहीं हो सकता। वहां पहले भी गुरु ग्रंथ साहिब के साथ बेअदबी की घटनाएं हुई हैं, मगर पंजाब कभी नहीं सुलगा। ऐसे में अगर कोई यह कहता है कि पंजाबी अलगाव चाहते हैं तो यह बात सिरे से गलत है। लगभग पूरा पंजाब नर्म ख्याली है, जो शांति और तरक्की में यकीन रखता है। जिस तरह से अमृतपाल सिंह के लिए पंजाब के अधिकतर हिस्सों से इंटरनेट काट रखा है, एक अघोषित इमरजेंसी लगा रखी है- इससे एक बड़ी बहस शुरू हो चुकी है कि क्या अमृतपाल सिंह गुरु ग्रंथ साहिब से भी बड़ा हो गया ? जाहिर है, पंजाब का भविष्य इसी बहस से हल होने वाला है, पंजाब के लोग ही इसे हल करेंगे।

## गरिमा का खयाल रखें

**सूरत** की एक अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि का दोषी करार देते हुए दो साल जेल की सजा सुना दी। हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है और अपील के लिए वक्त भी मिल गया है, इसलिए तत्काल जेल जाने की स्थिति नहीं है, लेकिन राहुल के बयानों को लेकर पहले से ही गरमाई राजनीति में यह फैसला उबाल का एक और बिंदु जरूर बन गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब लंदन में दिए गए राहुल गांधी के बयान संसद में गतिरोध का कारण बने हुए हैं। सत्तारूढ़ बीजेपी विदेशी धरती पर दिए गए उन बयानों को देश का अपमान बताते हुए राहुल से माफी की मांग पर अड़ी हुई है। राहुल और कांग्रेस स्वाभाविक ही इससे इनकार कर रहे हैं। जहां तक सूरत कोर्ट से आए फैसले की बात है तो राहुल गांधी ने इसे स्वीकार नहीं किया है, वह इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। लेकिन फिर भी इस फैसले ने बीजेपी के तरकश में एक शक्तिशाली बाण तो डाल ही दिया है। बीजेपी नेता और कार्यकर्ता अब इस फैसले के हवाले से यह दावा कर सकते हैं कि राहुल गांधी के

बयान अदालत की कसौटी पर भी खरे नहीं उतरते।

पक्ष-विपक्ष की दलीलों से हटकर देखें तो राहुल के लिए यह सलाह अनुचित नहीं कही जाएगी कि वह अपने वाक्य को थोड़े बेहतर ढंग से फ्रेम कर सकते थे। विपक्षी खेमे के और कांग्रेस पार्टी के भी कई नेता निजी बातचीत में यह राय जताते रहे हैं कि राहुल गांधी राजनीतिक हमले करते हुए कुछ ज्यादा पर्सनल हो जाते हैं। फिर भी इस बारे में अभी से कोई नतीजा निकालना मुश्किल है कि इस पूरे विवाद का राहुल गांधी और कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान।

भूलना नहीं चाहिए कि राहुल गांधी का संबंधित बयान 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिया गया था। चुनावी गरमागरमी में नेताओं के ऐसे बयान आते रहे हैं, जिन्हें विवादास्पद माना जाता है भले ही वे सारे मामले अदालत में नहीं पहुंचते। बीजेपी नेताओं के भी ऐसे कई बयान गिनाए जा सकते हैं। ऐसे में कहना मुश्किल है कि आम लोग इस फैसले को आखिरकार किस रूप में लेंगे। इसे राहुल गांधी की गैरजिम्मेदारी मानेंगे या सत्ता पक्ष की ओर से से उनकी आवाज दबाने के एक और प्रयास के रूप में देखेंगे।

अगर आम धारणा दूसरे विकल्प की ओर मुड़ी तो नुकसान के बजाय कांग्रेस को फायदा ही पहुंचाएगी। यही आशंका तृणमूल नेता ममता बनर्जी को यह कहने को मजबूर कर रही है कि बीजेपी और सरकार राहुल को हीरो बनाने पर तुली हुई है। लेकिन इन संकीर्ण नफा-नुकसानों से अलग हटकर देखें तो ओछे बयान किसी भी तरफ से आएं लोकतंत्र की गरिमा को नुकसान ही पहुंचाते हैं। बेहतर होगा हमारे नेता इस तथ्य के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखें।

# चिपको आंदोलन को क्यों याद रखा जाना चाहिए

**इसी** मार्च महीने में ऐतिहासिक चिपको आंदोलन के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। विडंबना देखिए कि रैणी गांव जिसने वनों के प्रति वात्सल्य और ममत्व का मंत्र दिया, वहां भी मकान दरारों और भू-धंसाव के कारण खाली करने पड़े हैं। इनमें गौरा देवी का स्मारक भी है, जो ध्वस्त हो चुका है। वही गौरा देवी, जिनकी गाथा के बिना चिपको का इतिहास अधूरा है।

### कैसे जनमा चिपको

वाकया 1973 का है। चमोली जिले के गोपेश्वर में चंडीप्रसाद भट्ट की संस्था दशौली ग्राम स्वराज संघ और स्थानीय ग्रामीणों को हर साल मिलने वाले अंगू प्रजाति के पेड़ों का आवंटन शासन ने रोक दिया। दशौली संस्था ग्रामीणों को वनोपज के माध्यम से रोजगार मुहैया कराने के लिए कुटीर उद्योग चलाती थी। वन विभाग ने ग्रामीणों को तो पेड़ों का आवंटन रोक दिया, मगर खेलकूद का सामान बनाने वाली इलाहाबाद की साइमन कंपनी को गोपेश्वर के पास मंडल नामक क्षेत्र में अंगू के पेड़ काटने की इजाजत दे दी। भड़के ग्रामीणों ने तय किया कि वे पेड़ नहीं कटने देंगे। 30 मार्च 1973 को साइमन कंपनी के लोगों के गोपेश्वर पहुंचने की खबर मिली। सुनते ही चंडीप्रसाद भट्ट तमतमा उठे और चिल ?लाए- साइमन वालो सुन लो, हम पेड़ नहीं कटने देंगे। हम पेड़ों पर अंग्वल्था (आलिंगन) मार देंगे। हम पेड़ों पर चिपक जाएंगे। कुल्हाड़े का पहला वार हमारी पीठ पर चलेगा।' चिपको जैसी अहिंसक क्रांति का स्रोत फूट चुका था और इसकी पहली परख रैणी में होने वाली थी।

### क्या हुआ था रैणी में

रैणी का जंगल काटने की तारीख (26 मार्च 1974) मुकर्रर हो गई। इसके विरोध में गांव-गांव सभाएं भी हुईं, मगर प्रशासन पीछे हटने को तैयार नहीं था। सीमावर्ती मलारी, रैणी व लाता गांवों के तमाम पुरुषों को युद्धकाल में ली गई भूमि का मुआवजा देने के बहाने जिला मुख्यालय चमोली बुला लिया गया। 26 मार्च की सुबह मजदूरों और वनकर्मियों के जत्थे ऋषिगंगा के किनारे चोरी-छिपे जंगल की ओर बढ़ने लगे। गांव की एक बच्ची ने यह देख लिया और गौरा देवी को इत्तला कर दी। गौरा तत्काल 21 महिलाओं और कुछ बेटियों के साथ जंगल की ओर चल पड़ीं। मौके पर पहुंच कर गौरा ने पहले सबको प्रेम से समझाया, 'भाइयो, यह जंगल हमारा मायका है। ये पेड़ हमारे ऋषि हैं। यहां से हमें जड़ी-बूटी, कंदमूल, घास और लकड़ी मिलती है। जंगल कटेगा तो सारा पहाड़ टूटकर नीचे आ जाएगा। बाढ़ आएगी और हमारे खेतों और बगड़ों को बहा ले जाएगी।... खाना खा लो और फिर हमारे साथ नीचे चले चलो। हम जंगल नहीं कटने देंगे।' जवाब में ठेकेदार के कारिंदे और वनकर्मी बदतमीजी पर उतर आए। एक वनकर्मी बंदूक लेकर गौरा की तरफ बढ़ा और निशाना साध लिया। यह देख गौरा उबल पड़ीं और छाती खोलकर गरज उठीं, 'लो, मारो बंदूक और काट ले जाओ हमारा मायका।' गौरा की ललकार पर सारा माहौल सहम उठा। मजदूर जंगल छोड़कर खिसकने लगे। गौरा देवी और अन्य महिलाएं रातभर जंगल की पहरेदारी करती रहीं।

अगले दिन सुबह खबर फैली कि रैणी गांव की वीरांगनाओं ने एक भी पेड़ पर आंच नहीं आने दी तो आसपास के इलाकों से गाजे-बाजों के साथ चिपको कार्यकर्ता वहां के लिए चल पड़े। रैणी की घटना के बाद सरकार को चमोली जिले के 1200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को संवेदनशील मानना पड़ा और अगले दस साल तक वन कटान पर रोक लगानी पड़ी।

### अपरिचित ही रहीं गौरा देवी

यह सच है कि चिपको ने जब दुनिया का ध्यान खींचा तो इसके शीर्षस्थ नेताओं को अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्धि मिली, लेकिन गौरा देवी अपरिचित ही रहीं। गौरा का जन्म नंदादेवी नैशनल पार्क के सीमांत गांव लाता में हुआ था। 12 साल की उम्र में ब्याह कर वह रैणी आईं और मात्र 22 साल की उम्र में विधवा हो गईं। 4 जुलाई 1991 को गौरा ने अंतिम सांस ली। उनका गांव रैणी जो कि ऋषि गंगा और धौली गंगा के संगम स्थल के ठीक ऊपर बसा है, पहाड़ के कई अन्य गांवों की तरह बांध परियोजनाओं का दंश झेलने को अभिशप्त है।

## दैनिक पंचांग

**26 मार्च 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

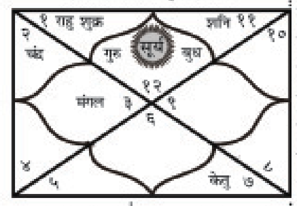



| ग्रह स्थिति | |
|---|---|
| सूर्य | मीन में |
| चंद्र | वृष में |
| मंगल | मिथुन में |
| बुध | मीन में |
| गुरु | मीन में |
| शुक्र | मेष में |
| शनि | कुंभ में |
| राहु | मेष में |
| केतु | तुला में |

**राहुकाल** 4.30 से 6.00 बजे तक

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| मेष | 07.00 बजे से |
| वृष | 08.40 बजे से |
| मिथुन | 10.39 बजे से |
| कर्क | 12.52 बजे से |
| सिंह | 15.08 बजे से |
| कन्या | 17.20 बजे से |
| तुला | 19.31 बजे से |
| वृश्चिक | 21.45 ब.से |
| धनु | 00.01 बजे से |
| मकर | 02.07 बजे से |
| कुंभ | 03.53 बजे से |
| मीन | 05.26 बजे से |

**रविवार** 2023 वर्ष का 85 वां दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत।
**विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1944
**मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** पंचमी 16.33 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** कृत्तिका 14.01 बजे को समाप्त।
**योग** प्रीति 23.32 बजे को समाप्त।
**करण** बालव 16.33 बजे तदनन्तर कौलव 04.56 बजे प्रात: को समाप्त।
**चन्द्रायु** 04.3 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 02° 01'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1871564
**जूलियन दिन** 2460029.5
**कलियुग संवत्** 5123
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2549
**हिजरी सन्** 1444
**महीना** रमजान
**तारीख** 03
**विशेष** स्कंद षष्ठी।

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उद्वेग | 05.56 से | 07.23 | बजे तक | शुभ | 05.36 से | 07.09 | बजे तक |
| चर | 07.23 से | 08.51 | बजे तक | अमृत | 07.09 से | 08.41 | बजे तक |
| लाभ | 08.51 से | 10.18 | बजे तक | चर | 08.41 से | 10.14 | बजे तक |
| अमृत | 10.18 से | 11.46 | बजे तक | रोग | 10.14 से | 11.46 | बजे तक |
| काल | 11.46 से | 01.14 | बजे तक | काल | 11.46 से | 01.19 | बजे तक |
| शुभ | 01.14 से | 02.41 | बजे तक | लाभ | 01.19 से | 02.51 | बजे तक |
| रोग | 02.41 से | 04.09 | बजे तक | उद्वेग | 02.51 से | 04.24 | बजे तक |
| उद्वेग | 04.09 से | 05.36 | बजे तक | शुभ | 04.24 से | 05.53 | बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## आपका राशिफल 26 मार्च

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

## प्रसंगत: सच्ची जीत

**क**लिंग युद्ध के दौरान सम्राट अशोक चिंतित अपने शिविर में टहल रहे थे। तभी कोई उनके सामने पहुंचा और बोला, 'सम्राट की जय हो। हमारी विजय हुई है।' सम्राट अशोक ने पीछे मुड़कर देखा तो अपने सेनापति जयगुप्त को प्रसन्न मुद्रा में खड़े पाया। अशोक बोले, 'मैं बहुत ही प्रसन्न हूं। दीप जलाओ, मिठाइयां बांटो और ढोल-नगाड़े बजाओ।' उसी समय एक बौद्ध भिक्षु ने शिविर में प्रवेश करके सेनापति से कहा, 'रुको, कहीं मत जाओ।' फिर वह अशोक से बोले, 'महाराज, कलिंग युद्ध में आपकी विजय नहीं बल्कि बुरी तरह पराजय हुई है।' इस पर सेनापति बोला, 'नहीं सम्राट, मैं सच कह रहा हूं। आपको महान विजय मिली है।' भिक्षु सम्राट अशोक से बोले, 'महाराज, आप मेरे साथ रणभूमि में चलें और अपनी आंखों से देखें कि आपकी विजय हुई है या पराजय।' सम्राट अशोक भिक्षु के साथ चल पड़े। चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। वे जहां जाते, वहां हर घर उजड़ा हुआ मिलता। चारों तरफ से रोने की आवाजें आ रही थीं। यह देखकर सम्राट अशोक ने भिक्षु से पूछा, 'आपको पता है कि ये लोग क्यों रो रहे हैं?' भिक्षु ने कहा, 'हां। इनमें से हर किसी के परिवार का कोई न कोई सदस्य मृत्यु की गोद में समा गया है।' भिक्षु ने कहा, 'महाराज, जिस युद्ध ने अनेक हंसते-खेलते घरों को पल भर में बर्बाद कर दिया, उस पर प्रसन्न हो रहे हो। यह कैसी विजय है? युद्ध तो केवल जान-माल का सर्वनाश करता है। यदि सचमुच विजय चाहते हो तो जिसके साथ युद्ध कर रहे हो उसे प्रेम और इंसानियत से जीतो, रक्त बहाकर नहीं।' भिक्षु की यह बात सुनकर सम्राट अशोक बोले, 'सचमुच मेरी पराजय हुई है। विजय के लिए मैंने इतना नरसंहार किया, कई घरों को उजाड़ दिया। मैं प्रतिज्ञा करता हूं कि आज के बाद कभी युद्ध नहीं करूंगा।' इसके बाद सम्राट अशोक पूरी तरह बदल गए।

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

## एक्ट्रेस नीलू कोहली के पति बाथरूम में मृत पाए गए: रोज की तरह गुरुद्वारा से लौटे थे; कोई बीमारी नहीं थी..घर पर सिर्फ हेल्पर मौजूद था

**कई** टीवी सीरियल्स और फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस नीलू कोहली के पति हरमिंदर सिंह कोहली का निधन हो गया है। वो पूरी तरह स्वस्थ थे, लेकिन 24 मार्च को गुरुद्वारे से लौटने के बाद बाथरूम गए और वहीं गिर गए।

जब उनका निधन हुआ उस वक्त घर पर सिर्फ हेल्पर मौजूद था। उन्हें तत्काल मेडिकल हेल्प के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक, हरमिंदर को कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। उन्हें बस डायबिटीज की शिकायत थी।

### दोपहर की है घटना, रोज की तरह गुरुद्वारा से लौटे थे

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीलू कोहली की दोस्त वंदना अरोड़ा का कहना है कि ये घटना शुक्रवार तकरीबन 1.30 बजे की है। हरमिंदर सुबह गुरुद्वारा गए थे। वहां से लौटने के बाद वो बाथरूम गए और वहीं गिर पड़े।

उस वक्त घर पर सिर्फ हेल्पर मौजूद था जो लंच के लिए खाना बनाने की तैयारी कर रहा था। जब उसने देखा कि हरमिंदर को काफी लेट हो रहा है तो उसने सोचा कि वो कहीं सो तो नहीं गए। फिर वो हरमिंदर को खोजने के लिए उनके बेडरूम गया लेकिन वो वहां भी नहीं दिखे।

जब हरमिंदर बेडरूम में भी नहीं मिले तो वो हेल्पर उन्हें खोजने के लिए बाथरूम की तरफ बढ़ा। उसने अंदर देखा तो हरमिंदर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे।

नीलू की दोस्त वंदना ने नवभारत टाइम्स को बताया कि हरमिंदर बिल्कुल हेल्दी थे। वो बिल्कुल चल-फिर रहे थे, हालांकि उन्हें डायबिटीज की शिकायत जरूर थी। सब कुछ बिल्कुल अचानक हो गया।

### बेटे के आ जाने के बाद होगा अंतिम संस्कार

नीलू की दोस्त वंदना के मुताबिक, हरमिंदर का अंतिम संस्कार रविवार 26 मार्च को किया जाएगा। अभी उनका बेटा बाहर है, उसके आने के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बता दें कि नीलू कोहली टीवी और फिल्मों की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। वो 1999 में फिल्म दिल क्या करे' में सपोर्टिंग रोल में दिखीं थीं। इसके अलावा पंजाबी सीरियल निम्मो ते विम्मो' में भी काम किया। हिंदी सीरियल 'जय हनुमान' में भी उन्होंने अभिनय किया है। 2022 में वो पीरियड ड्रामा फिल्म जोगी' में दिखी थीं। नीलू कोहली इन सब के अलावा हिंदी मीडियम, हाउसफुल 2 और रन जैसी फिल्मों का भी काम चुकी हैं।

## परिणीता और मदार्नी के डायरेक्टर प्रदीप सरकार नहीं रहे: 67 साल की उम्र में मुंबई में अंतिम सांस ली, लंबे समय से डायलिसिस पर थे

**मशहूर** फिल्म डायरेक्टर प्रदीप सरकार का निधन हो गया है। 67 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया छोड़ दी। मशहूर फिल्म डायरेक्टर प्रदीप सरकार का शुक्रवार को निधन हो गया है। 67 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई में अंतिम सांस ली थी। उनके निधन की जानकारी फिल्म मेकर और उनके दोस्त हंसल मेहता ने सोशल मीडिया पर दी।

प्रदीप ने परिणीता, हेलिकॉप्टर ईला और मदार्नी जैसी हिट फिल्मों का डायरेक्शन किया था। रिपोर्ट्स की माने तो प्रदीप का पोटेशियम लेवल कम हो गया था। इसके बाद वो डायलिसिस पर थे। उन्हें रात 3 बजे हॉस्पिटल लाया गया था। हालांकि डॉक्टर्स उन्हें बचा नहीं पाए। आज शाम 4 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रदीप सरकार ने 2005 में फिल्म परिणीता के साथ डायरेक्शन में डेब्यू किया। 2007 में लागा चुनरी में दाग, 2010 में फिल्म लफंगे परिंदे और 2014 में रानी मुर्खजी की फिल्म मदार्नी का डायरेक्शन किया। इस फिल्म को ऑडियंस और क्रिटिक्स का मिक्स्ड रिस्पॉन्स मिला। फिल्मों के अलावा उन्होंने फॉरबिडेन लव और दुरंगा जैसी वेब सीरीज का भी डायरेक्शन किया।

### अजय देवगन और मनोज वाजपेयी ने दुख जताया

प्रदीप के निधन पर बॉलीवुड में शोक की लहर दौड़ आई है। एक्टर मनोज वाजपेयी ने उनके निधन पर सोशल मीडिया पर संवेदना जाहिर की है। उन्होंने लिखा, 'ये घटना काफी चौंकाने वाली है। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे दादा।' इसके अलावा अजय देवगन और एक्ट्रेस नीतू चंद्रा ने भी प्रदीप के निधन पर शोक जाहिर किया है। अजय ने लिखा, 'हम में से कई लोगों के लिए प्रदीप सरकार दादा के निधन की खबर को पचा पाना अभी मुश्किल है। मेरी प्रार्थनाएं दिवंगत के परिवार के साथ हैं। ईश्वर आपकी आत्मा के शांति दे।'

### परिणीता को मिला था नेशनल अवॉर्ड

प्रदीप सरकार की फिल्म परिणीता ने नेशनल अवॉर्ड भी जीता है। इसके अलावा इस फिल्म को 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिले थे। इस फिल्म में सैफ अली खान, विद्या बालन और संजय दत्त लीड रोल में दिखाई दिए थे। 2018 में उनकी आखिरी फिल्म काजोल स्टारर 'हेलिकॉप्टर ईला' रिलीज हुई थी।

## इवेंट में एक साथ पहुंचे अनुष्का- विराट: दिखी जबरदस्त कैमिस्ट्री, फैंस ने बताया बेस्ट कपल

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा हालही में अपने पति विराट कोहली के साथ एक इवेंट में नजर आईं। इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में कपल ग्लैमरस लुक में नजर आया। अनुष्का पर्पल कलर के ऑफ शोल्डर गाउन में दिख रही हैं। वही विराट ब्लैक सूट में काफी हैंडसम लग रहे हैं। दोनों बाहों में बाहें डाल पैपराजी को रोमांटिक पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। कमेंट बॉक्स में विराट और अनुष्का के फैंस इनकी इस केमिस्ट्री की तारीफ करते नहीं थक रहे। इस वीडियो एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा 'बेस्ट एंड क्यूटेस्ट कपल'।

### 'चकदा एक्सप्रेस' में नजर आएंगी अनुष्का शर्मा

बता दें, अनुष्का शर्मा लंबे समय के बाद फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' से बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। ये फिल्म भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की बायोपिक है, जिसमें अनुष्का झूलन पूर्व इंडियन क्रिकेटर झूलन गोस्वामी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' की शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

## तापसी ने पहना मां लक्ष्मी की आकृति वाला नेकलेस: हिंदुओं की भावनाएं आहत करने का आरोप, लोग बोले- धर्म के सिंबल को ऐसे नहीं दिखाना चाहिए

**एक्ट्रेस** तापसी पन्नू के एक नेकलेस पर विवाद हो गया है। उन्होंने हाल ही में एक इवेंट में ऐसा नेकलेस पहना जिस पर मां लक्ष्मी की आकृति वाला चित्र बना हुआ था। उन्होंने इस नेकलेस को रेड कलर की बोल्ड ड्रेस पर कैरी किया था जिसको लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया। यूजर्स का कहना है कि तापसी ने हिंदू देवी देवताओं का अपमान किया है। तापसी हमेशा अपने बोल्ड बयानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं लेकिन इस बार उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लग गया है।

### तापसी के फोटो पोस्ट करते ही ट्रोलर्स की आई बाढ़

तापसी पन्नू ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्होंने जो नेकलेस पहना था तो रिलायंस ज्वैल्स का बनाया हुआ था। उन्होंने लैक्मे फैशन वीक 2023 के दौरान इसको कैरी किया था।

इस इवेंट में तापसी फैशन डिजाइनर मोनिशा जयसिंह की शो स्टॉपर बनी थीं। तापसी ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन भी लिखा था, 'ये लाल रंग मुझे कब छोड़ेगा।' हालांकि तापसी के फोटो शेयर करते ही ट्रोलर्स की बाढ़ आ गई। ट्रोलर्स का कहना है कि तापसी को इतने रिवीलिंग ड्रेस पर मां लक्ष्मी वाला नेकलेस नहीं पहनना चाहिए था।

### लोगों ने कहा- शर्म करो तापसी

तापसी को अपने इस कॉन्ट्रोवर्शियल नेकलेस के लिए सोशल मीडिया पर काफी खरी-खोटी सुननी पड़ रही है। उनकी फोटो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'तापसी को शर्म आनी चाहिए, किसी भी धर्म के सिंबल को आप कैसे रिप्रेजेंट करते हो, एक सेलिब्रिटी होने के नाते आपको पता होना चाहिए।' वहीं एक ने लिखा 'क्या बकवास है, ऐसे कपड़ों में भगवान को इंवॉल्व नहीं करना चाहिए।' एक और यूजर ने लिखा, 'ऐसी वल्गर फोटो में मां लक्ष्मी का हार पहना हुआ है... आपको शर्म आनी चाहिए तापसी।'

इसके अलावा तापसी पन्नू अपने बोल्ड बयानों की वजह से हमेशा ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले बायकॉट ट्रेंड पर भी बोला था। उन्होंने कहा था कि वो चाहती हैं उनकी भी फिल्मों का बायकॉट हो। इससे उनकी फिल्म के हिट होने के चांसेस बढ़ जाएंगे। इसके अलावा उनका विवाद कंगना रनोट के साथ भी रह चुका है। कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने तापसी को कंगना की सस्ती कॉपी कह दिया था।

इसके जवाब में तापसी ने कहा कि कंगना का उनकी लाइफ में कोई रोल नहीं है इसलिए वो उनके बारे में क्या कहती हैं इसके कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

तापसी की रिसेंट प्रोजेक्ट की बात करें उन्हें थ्रिलर फिल्म ब्लर में देखा गया था। इसके अलावा वो अनुराग कश्यप की फिल्म दोबारा में भी नजर आई थीं। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वो शाहरुख खान की फिल्म डंकी में नजर आएंगी।

## लॉफिंग ज़ोन

"यह कैसी चाय लेकर आए हो? एकदम बर्फ जैसी ठंडी है।" महोदय ने कहा।

"साहब वह चाय दार्जिलिंग से आती है और आजकल वहां बर्फ पड़ रही है।" बैरा बोला।

☺ ☺ ☺

"शादी से पहले हम एक-दूसरे से मिलने को कितने बेचैन रहते थे।" बुजुर्ग पत्नी ने कहा।

"अरे छोड़ो! पुरानी गलतियों को याद करने से क्या फायदा" बुजुर्ग पति ने कहा।

☺ ☺ ☺

हवलदार (इंस्पैक्टर से), "मैं कभी जेबकतरों से रिश्वत नहीं लेता और न ही कभी उनको पकड़ता हूं।"

इंस्पैक्टर, "क्यों?"

हवलदार, "बीस रूपए देकर 500 रूपए की जेब काट जाते हैं।"

☺ ☺ ☺

राम, "मुझे रात में सपना आया कि मेरे पांव में कांटा चुभ गया।"

श्याम, "तो जूते पहन कर सोया करो न दोस्त।"

☺ ☺ ☺

एक हीरोइन से हीरो ने पूछा, "मेकअप रूम में आप क्या लगाना पसंद करेंगी?"

"दिल।" इठलाती हुई अभिनेत्री बोली।

## अष्टयोग- 5153

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | | | 6 | 4 |
| | 29 | | 37 | 2 | 31 | 1 |
| 4 | 3 | 7 | | 6 | 2 | |
| | 29 | | 33 | | 37 | |
| | 1 | 2 | | 7 | 4 | 3 |
| 2 | 33 | 4 | 31 | | 30 | |
| 7 | 6 | | | 1 | 3 | 2 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

### अष्टयोग 5152 का हल

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 1 | 7 | 4 | 3 | 5 | 2 |
| 2 | 28 | 4 | 40 | 7 | 35 | 4 |
| 1 | 2 | 5 | 6 | 4 | 7 | 3 |
| 5 | 28 | 3 | 38 | 6 | 34 | 1 |
| 4 | 2 | 6 | 3 | 5 | 1 | 7 |
| 3 | 31 | 2 | 24 | 1 | 30 | 6 |
| 7 | 6 | 1 | 4 | 2 | 3 | 5 |

स...स...सन्नाटा

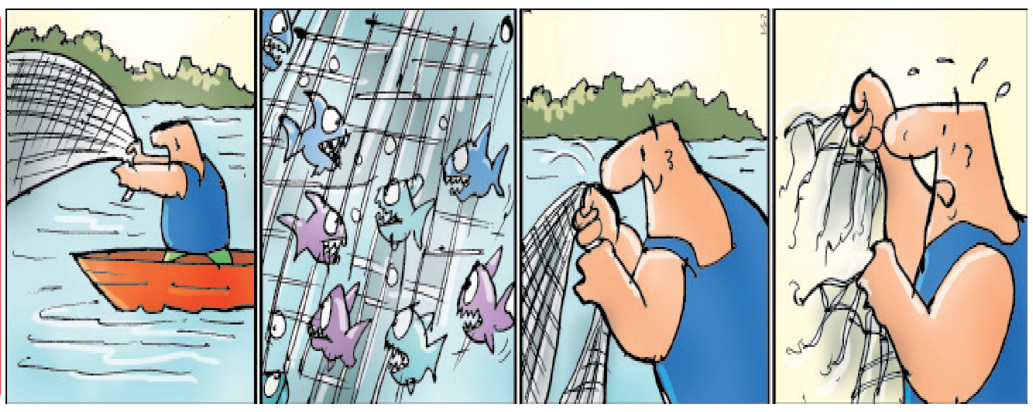

## सूडोकु नवताल- 5153

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 4 | | 6 | | | |
| | | | | | 2 | 7 | | |
| | 6 | 8 | | | | 9 | | |
| 5 | 3 | | | | | | | 6 |
| | | | | 6 | | | | |
| 7 | | | | | | | 9 | 2 |
| | | 9 | | | | 8 | 5 | |
| | | 2 | 1 | | | | | |
| | | | 3 | | 4 | | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल - 5152 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | 7 | 1 | 3 | 6 | 4 | 8 | 5 |
| 3 | 1 | 6 | 5 | 8 | 4 | 2 | 9 | 7 |
| 5 | 4 | 8 | 7 | 9 | 2 | 6 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 1 | 4 | 7 | 3 | 8 | 5 | 6 |
| 7 | 8 | 3 | 6 | 1 | 5 | 9 | 2 | 4 |
| 4 | 6 | 5 | 9 | 2 | 8 | 1 | 7 | 3 |
| 1 | 7 | 4 | 2 | 5 | 9 | 3 | 6 | 8 |
| 6 | 3 | 2 | 8 | 4 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 8 | 5 | 9 | 3 | 6 | 1 | 7 | 4 | 2 |

## काकुरो पहेली - 5153

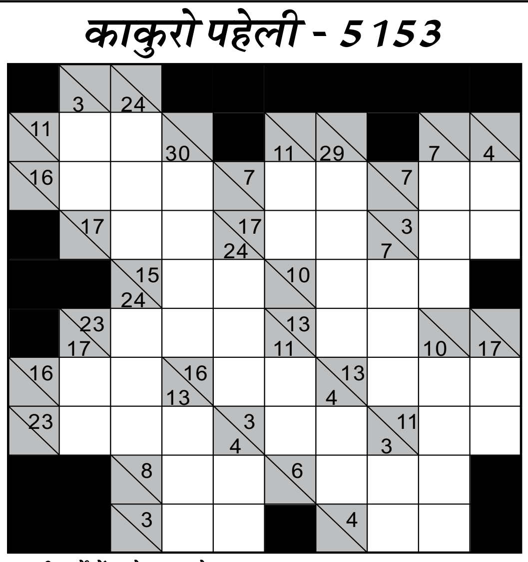

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

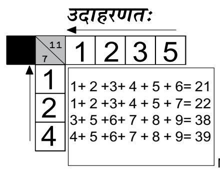

1+ 2 +3+ 4 + 5 + 6= 21
1+ 2 +3+ 4 + 5 + 7= 22
3+ 5 +6+ 7 + 8 + 9= 38
4+ 5 +6+ 7 + 8 + 9= 39

### काकुरो - 5152 का हल

MANGAL SENCHA,P.B.NO.3909, BANGALORE-39

## शब्द पहेली -5153

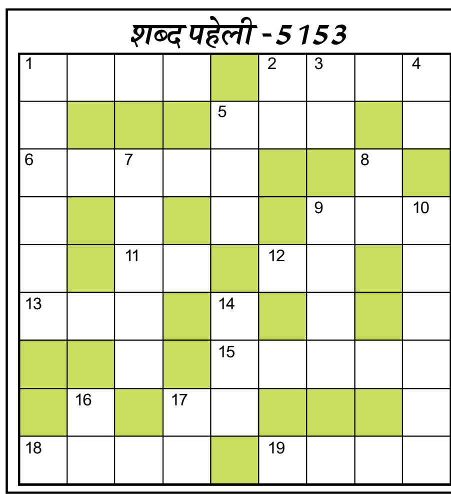

### बाएँ से दाएँ

1. यहाँ का क्रिकेट मैदान प्रसिद्ध है-4
2. यहाँ की तीन लड़ाइयों ने भारत का इतिहास ही बदल डाला-4
5. एक फल, पटाखा फूलझड़ी-3
6. दायित्व, निर्भरता -5
9. जोर की आवाज, शोर-3
11. नियंत्रण-2
12. समय-2
13. मुलायम-3
15. जनताको जागृत करना-5
17. माँ की माँ-2
18. आदेश जो किसी आकस्मिक या विशेष स्थिति में थोड़े समय तक लागू हो और जो उक्त स्थिति के न रहने पर वापस ले लिया जाय या आवश्यकता बनी रहने पर संसद या विधान सभा द्वारा अधिनियम के रूप में स्वीकृत कर लिया जाय-4
19. कचनार, सुगंध-5

### ऊपर से नीचे

1. बाल विवाह रोकने का बनाया गया कानून-3,3
2. प्राप्त करना-2
3. पानी, जल-2
4. जिस पर रोटी सेकी जाती है-2
5. सौ करोड़-3
7. मन की इच्छा-5
8. 'जाने भी दो...' टेलीविजन कार्यक्रम-2
9. एक बड़ा फल-4
10. संपूण -2,4
14. सखी-3
16. शाम का समय-2
17. नष्ट-2

### शब्द पहेली -5152 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ख | र | बू | जा | | आ | या | त | |
| ल | ब | | गृ | | घा | | वा | र |
| ब | | प्र | ति | घा | त | | | ज |
| ली | प | ना | | टा | | मो | र | नी |
| | | य | ज्ञ | | छा | ती | | |
| बं | ध | क | | क | | ला | य | क |
| ध | | | र | क्षा | पा | ल | | या |
| न | या | | ब | | ग | | सा | म |
| | र | ग | ड़ | | ल | ता | फ | ल |

मंगल सैणचा, बेंगलोर

## शब्दजाल - 5153

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | अ | मु | श | सी | ज | ब | ज | ग | ल | ट |
| रा | ज | ल | प्र | क्ल | ला | व | ना | ज | कां | ड़ |
| य | प | आ | हे | ज | दी | ना | अ | व | प | रू |
| इं | नौ | ब | का | ब | वा | स | त | ल | ट | प |
| प | ना | ह | प्या | र | तो | हो | स | ही | था | त |
| अ | न | क | प | र | स्व | ल | वी | ण | ई | व |
| द | नु | न | न | ट्रे | रू | डा | र | ज | व | र |
| क | र | कृ | प | क्श | प | का | र | चो | श | ख |
| र | व | त | ति | रा | हो | प | य | अ | रे | अ |
| क | र | ल | प | र्जु | ज | ता | रे | आ | प | द |
| क | ड | क | अ | ध | न | चि | त्र | ब | त | म |

शब्दजाल में 'आकृति' के 10 पर्यायवाची शब्द ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

बनावट, रूप, शक्ल, स्वरूप, आकार, अनुकृति, आरेख, चित्र, तसवीर, नाकनक्श

### शब्दजाल - 5152 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | ज | प | रे | दा | अ | ज | ब | न | र | ट |
| दा | रा | अ | न | आ | नो | ग | द | इ | ह | वि |
| अ | व | नू | पू | ग | खा | थ | त | ग | क | ल |
| द् | जा | ठा | ते | र्व | ज | का | म | न | त | क्ष |
| भु | त | र | दा | री | लं | ग | गो | ग | व | ण |
| त | द | म | नि | य | अ | पू | न | ला | र | नी |
| ती | जं | म | रा | हि | प | नु | श | र | ज | ल |
| क | ल | ग | ला | वि | व | नी | प | ल | न | ण |
| ने | ब | म | बा | फो | चि | त्या | री | म | प | क |
| ज | ग | त | प | ज | ज | त्र | दा | जी | र्य | त |
| वि | शे | ष | त | त | ल | ज | र | वा | त | थ |

मंगल सैणचा,बेंगलोर.

## फिल्म वर्ग पहेली- 5153

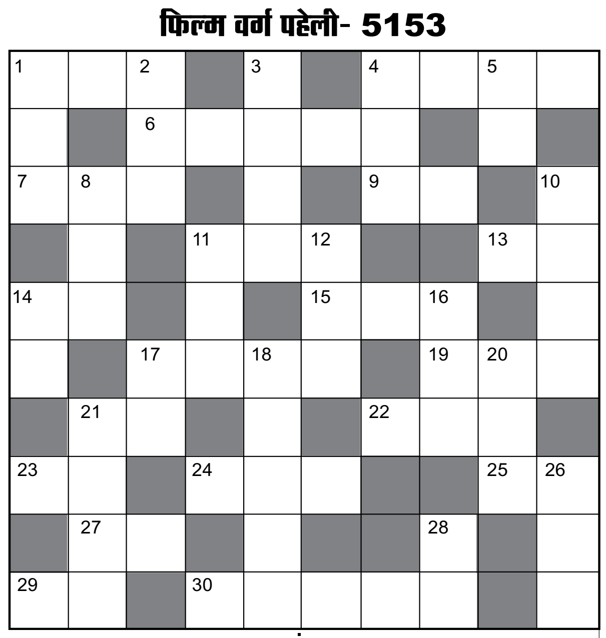

### बायें से दायें:-

1. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-3
4. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-2,2
6. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-5
7. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
9. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
11. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-3
13. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-2
14. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
17. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-4
19. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-3
21. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
22. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-3
23. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
24. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-3
25. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-2
27. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-2
29. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-2
30. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-2,3

### ऊपर से नीचे:-

1. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-3
2. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-4
4. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-3
5. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-2
8. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-3
10. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-4
11. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-3
14. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-3
17. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-2
18. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-5
20. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की 1982 की एक फिल्म-3
21. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-2,2
26. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
28. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-2

### फिल्म वर्ग पहेली- 5152 का हल

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ब्लै | क | मे | ल | | जं | | बे | व | फा |
| क | | ला | ल | बं | ग | ला | | जू | |
| | ही | | का | | ली | | ग | द | र |
| मे | रा | ध | र | म | | रा | ज | | फ्ता |
| हं | | र्मा | | ह | वा | | ब | हा | र |
| दी | दी | | दि | ल | दा | र | | सि | |
| | दा | मु | ल | | | मा | ई | ल | व |
| सु | र | | से | ह | रा | | | | फा |
| हा | | य | | व | | ज | या | प्र | दा |
| ग | र्दि | श | | स | त्या | | दें | | र |

मंगल सैणचा, बेंगलोर